



SUN

INTERNATIONAL INSTITUTE
OF TOURISM & MANAGEMENT

HYDERABAD ★ VISAKHAPATNAM

ADMISSIONS OPEN

+91 85757 95757

वर्ष-31 अंक : 18 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.3 2083 रविवार, 19 अप्रैल-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र

वार्ता



epaper.vaartha.com

Vaartha Hindi

@Vaartha_Hindi

Vaartha official

www.hindi.vaartha.com



SUN

INTERNATIONAL INSTITUTE
OF TOURISM & MANAGEMENT

HYDERABAD ★ VISAKHAPATNAM

ADMISSIONS OPEN

+91 85757 95757

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये



**VIJAYAWADA
SUN SHINERS**

#PitchMeedhaRacha

OWNED BY



SUN

INTERNATIONAL INSTITUTE
OF TOURISM & MANAGEMENT

23

YEARS OF
EXCELLENCE




A TOP-RANKED INSTITUTE.



SUN... BRINGS A FRESH, MODERN, CAREER-FOCUSED PERSPECTIVE TO HIGHER GROWTH.



**MERIT SCHOLARSHIPS
AVAILABLE**

**90%
AND ABOVE**

**UP TO ₹ 1,00,000
FEE CONCESSION**

**80%
AND ABOVE**

**UP TO ₹ 50,000
FEE CONCESSION**

REWARDING ACADEMIC EXCELLENCE WITH VALUABLE FINANCIAL SUPPORT.



**TOP
RANKED**

Top-ranked with
a proven track record of
ELITE PLACEMENTS
since its founding.

COURSES OFFERED

B.Sc	AI & Data Science	B.Sc	Food & Nutrition
BHM	Hotel Management & Culinary Arts	BBA	Travel and Tourism
BBA	Bachelor of Business Administration	BBA	Business Analytics
MBA	Master of Business Administration	MBA	Hotel Management & Tourism
B.Com	Computer Applications	IP 5	Inter and Degree in Hotel Management
CA	Culinary Arts		

**ADMISSIONS
OPEN**



MIYAPUR METRO CAMPUS
HYDERABAD



RAMNAGAR CAMPUS
HYDERABAD



AMEERPET METRO CAMPUS
HYDERABAD



DWARAKANAGAR CITY CAMPUS
VISAKHAPATNAM



RUSHIKONDA BEACH CAMPUS
VISAKHAPATNAM



www.sun.edu.in

[f /suninternationaledu](#)
[/suninternationaledu](#)
[#SunFamily](#)
[/suninternationaledu](#)

VISAKHAPATNAM

DWARAKANAGAR: Beside SBI, Main Road, Near RTC Complex, VSP-530016.
T : 0891 258 8668, 258 8669. C : 99850 13737.
RUSHIKONDA: Behind Iskcon Temple, Beach Road, Sagarnagar, VSP-530045.
T : 0891 297 9797, 297 7777. C : 98660 13737.



SUN

INTERNATIONAL INSTITUTE
OF TOURISM & MANAGEMENT

VISAKHAPATNAM
HYDERABAD

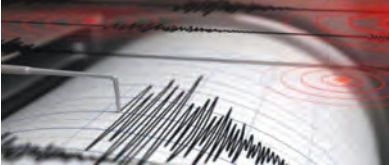
+91 85757 95757

HYDERABAD

RTC CROSS ROADS: Beside SBI, Ramnagar, VST Cross Road, Hyd-500020
T : 040 2763 5757, 2764 5757. C : 99490 13737.
MIYAPUR METRO: Near Metro, Opp. Pillar# 615, Mathrusree Nagar, Hyd-500049
T : 040 2703 5757, 2704 5757. C : 99120 13737.
AMEERPET: Near SR Nagar Police Station, East Srinivasa Nagar, Ameerpet, Hyd-500038
T : 040 2706 5757, 2707 5757. C : 98850 13737.

“ONE OF THE KEY STRENGTHS OF **SUN** IS ITS STRONG FOCUS ON INTERNATIONAL EXPOSURE.”

भूकंप से कश्मीर में डोली धरती



श्रीनगर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। शनिवार (18 अप्रैल, 2026) को कश्मीर घाटी में रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 8.24 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के बदाखशान प्रांत में था। अधिकारियों ने कहा, 'यह भूकंप पृथ्वी की पपड़ी के 190 किलोमीटर अंदर आया। इसके निर्देशांक 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.92 डिग्री पूर्वी देशांतर हैं।' भूकंपीय दृष्टि से, कश्मीर घाटी एक भूकंप-संभावित क्षेत्र में स्थित है। अतीत में कश्मीर में भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है।

एक्सिस बैंक में भी ऐसा ही हुआ था

टीसीएस नासिक विवाद के बीच अमृता फडणवीस का बड़ा दावा



नासिक, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) यूनिट में यौन शोषण और धर्म परिवर्तन विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने बड़ा दावा किया है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में अमृता फडणवीस ने कहा कि एक्सिस बैंक में उनके कार्यकाल के दौरान भी इसी तरह की घटनाएं हुई थीं। उन्होंने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि ऐसे मामले

भीषण गर्मी के चलते कई स्कूल बंद पारा 45 डिग्री पहुंचने का अनुमान



भुवनेश्वर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा तथा हालात असहनीय हो सकते हैं। झुलसा देने वाली लू और तपती हवाओं से दिन ही नहीं, रात में भी लोगों को राहत नहीं मिलेगी। खासकर पश्चिमी ओडिशा में गर्मी का असर सबसे अधिक देखने को मिलेगा, जबकि तटीय इलाकों में उमस लोगों की परेशानी बढ़ाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में रोजाना 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

भीषण लू की आशंका को देखते हुए बलांगीर और कालाहांडी जिलों में सभी शिक्षण संस्थानों को तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया है, जबकि सोनपुर में चार दिन की छुट्टी घोषित की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 18 अप्रैल को टटिलागढ़, संबलपुर और झारसुगुड़ा में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है।

एयरपोर्ट में आईएफ के प्लेन की हार्ड लैंडिंग, रनवे खराब, चंद घंटे में सब ठीक हो गया



पुणे, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट में विमानों का संचालन फिर से शुरू हो चुका है। यहां भारतीय वायुसेना के एक विमान की हार्ड लैंडिंग हुई थी। इस वजह से रनवे खराब हो गया था। ऐसे में यहां से संचालित होने वाली सभी फ्लाइटों को रोका दिया गया था। रनवे को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर शुरू हुआ और शनिवार सुबह तक इसे पूरी तरह से ठीक कर लिया गया। सुबह 7.30 बजे पहले विमान ने यहां से उड़ान भरी और 8 बजे तक विमानों की लैंडिंग भी शुरू हो गई। शनिवार रात तक यहां ट्रैफिक सामान्य होने की उम्मीद है। शुक्रवार को प्लेन की हार्ड लैंडिंग के बाद भारतीय वायुसेना ने एक्स पर लिखा, भारतीय वायुसेना के एक एयरक्राफ्ट से जुड़ी घटना की वजह से पुणे का रनवे कुछ समय के लिए बंद है। एयरक्रू सुरक्षित हैं और सिविल प्रॉपर्टी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

सीआरपीएफ के जवान भाजपा उम्मीदवारों के साथ क्यों घूम रहे

टीएमसी नेता ने लगाए गंभीर आरोप



कोलकाता, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तुणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा। उन्होंने एक वीडियो का जिक्र करते हुए सीआरपीएफ जवानों पर भाजपा उम्मीदवारों के साथ घूमने, पत्रें बांटने और मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाया है।

टीएमसी नेता ने इसे चुनाव आयोग के 'फोर्स डिप्लॉयमेंट इन इलेक्शंस मैनुअल, 2023', जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 और भारतीय न्याय संहिता 2023 का उल्लंघन बताया है। डेरेक ओ'ब्रायन ने सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो का हवाला देते हुए

नशा तस्करोँ पर बड़ी कार्रवाई

जेल में बंद तस्कर की संपत्ति पर चला बुलडोजर, बेलीचराना में अवैध मकान ध्वस्त

जम्मू, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू के बेलीचराना इलाके में जिला प्रशासन और पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़ी अवैध संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात तस्कर के घर को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई नवाबाद और सतवारी थाने की संयुक्त टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार आरोपी, जिसे पप्पी के नाम से जाना जाता है, फिलहाल जेल में बंद है। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने नशे के अवैध कारोबार से कमाई गई रकम से यह संपत्ति बनाई थी। इसके अलावा उसने सरकारी जमीन (स्टेट लैंड) पर अवैध रूप से मकान भी तैयार किया था। जम्मू के तहसीलदार परमदीप सिंह ने बताया कि सत्यापन के बाद पाया गया कि आरोपी सुचेतगढ़ का रहने वाला है और निक्की तवी क्षेत्र में उसने स्टेट लैंड पर कब्जा कर घर बनाया था। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नशे के कारोबार से अर्जित संपत्ति को खत्म करने के तहत की गई है और अवैध कब्जे को भी हटाया गया है।

महिला आरक्षण बिल के पास न होने पर रो पड़ीं नवनीत राणा बोलीं- 'विपक्ष ने महिलाओं का अधिकार छीना



नवनीत राणा ने रोते हुए महिला आरक्षण पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने इस बिल का विरोध किया है, उनको देश

रशियन महिला के साथ अभद्र भाषा में बनाई रील वायरल होते ही पुलिस ने लिया संज्ञान

वायरल होते ही पुलिस ने लिया संज्ञान

लेकिन महिला को भाषा समझ नहीं आई है। 16 सेकेंड का वीडियो जब वायरल हो रहा है तो लोग सवाल उठा रहे हैं और शख्स पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। यह वीडियो इंस्टाग्राम पर राधे गुर्जर के इंटाग्राम पेज पर अपलोड किया गया है। इसके अलावा वॉइस ऑफ शिवपुरी का लोगों भी लगा है। रील में जो महिला दिख रही है, वह रूस की बताई जा रही है। रील देखकर लगता है कि

174) के तहत अपराध है। इससे मतदाताओं में डर का माहौल बन रहा है और स्वतंत्र मतदान का अधिकार प्रभावित हो रहा है। टीएमसी नेता ने जोर देकर कहा, केंद्रीय बलों का चुनाव ड्यूटी के दौरान पूर्ण निष्पक्ष रहना अनिवार्य है।

किसी भी पुलिस बल के सदस्य को मतदाताओं को किसी पार्टी के पक्ष में प्रभावित करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि संबंधित सीआरपीएफ कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की है कि साथ ही सभी केंद्रीय बलों को पश्चिम बंगाल में निष्पक्षता बनाए रखने और चुनाव आयोग के नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए जाएं।

एमएलए विनय कुलकर्णी बने साजिश का शिकार

मर्डर केस में आजीवन कारावास पर बोले उप-मुख्यमंत्री शिवकुमार



बेंगलूरु, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी।के। शिवकुमार ने यह दावा किया है कि कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी, जिन्हें एक हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, बीजेपी की साजिश का शिकार बने हैं, क्योंकि वे उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में राजनीतिक रूप से लगातार आगे बढ़ रहे थे। यह हत्याकांड करीब 10 साल पुराना है और तब यह बड़ा राजनीतिक मामला बना था। बेंगलूरु की एक कोर्ट ने शुक्रवार को बीजेपी नेता योगेशगौड़ा गौडर की हत्या के मामले में कुलकर्णी और 15 अन्य लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इससे

मोमोज खाने से 10 साल की बच्ची का लिवर फेल



नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बुराड़ी के रहने वाले परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब उनकी 10 वर्षीय बच्ची के दिमाग ने लगभग काम करना बंद कर दिया। छोटी-छोटी बात भी उसे याद नहीं। खुद चलना-फिरना भी मुश्किल। हालत खराब होती गई। जांच में पता चला कि लिवर फेल हो चुका है। शरीर में विषाक्त पदार्थों के संक्रमण की वजह से दिमाग में सूजन आ गई है। आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। उसकी यह हालत मोमोज जैसे फास्ट फूड ने की। माता-पिता दोनों वर्किंग हैं। दिनभर काम के चलते जब घर पर नहीं होते तो बच्ची दादा से पैसे लेकर बाहर से मोमोज वगैरह लेकर आती और चाव से खाती। प्लाज्माफेरेसिस से

जान बचने के बाद अब उसने मोमोज से तौबा कर ली है। माता सावित्री माथुर बताती हैं कि उनके पति किशोर मोबाइल का काम करते हैं। घर चलाने के लिए वे भी मुखर्जी नगर में केयरटेकर की जाँब करती हैं। उनकी दो बच्चियाँ हैं। बड़ी बेटी तान्या 10 वर्ष की है तो वहीं छोटी बेटी गौरी आठ वर्ष की है। बच्चों के घर का बना खाना ही देते हैं। पति और मैं काम के सिलसिले में दिनभर बाहर ही रहते हैं। स्कूल से आने के बाद तान्या दादा से पैसे लेकर कभी मोमोज तो कभी चिप्स लाती थी। शुरुआत में वह चीजें भूलने लगी। थकान रहती। बाद में उससे खड़ा भी नहीं हुआ जा रहा था।

पास के अस्पताल ले गए, जहां जांच के बाद पता चला की पीलिया काफी बढ़ा हुआ है। हालत इतनी खराब थी कि लगा कि अब बेटी को छो देंगे। यथार्थ हॉस्पिटल मॉडल टाउन में भर्ती कराया। पहले चिकित्सकों ने लिवर ट्रांसप्लांट का सुझाव दिया, पर प्लाज्माफेरेसिस से बच्ची ठीक हो गई।

अवैध धार्मिक संरचनाओं पर चला बुलडोजर

ऊधम सिंह नगर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले में जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के अभियान को तेज करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गूलरभोज-दिनेशपुर क्षेत्र में तड़के एक साथ कई अवैध धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन के मुताबिक ये सभी स्ट्रक्चर सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाई गई थीं। करीब तीन माह पूर्व किए गए सर्वे के बाद संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर भूमि स्वामित्व और निर्माण से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया था, लेकिन कब्जेदार वैध कागजात पेश नहीं कर सके। बताया गया कि ठंडा नाले क्षेत्र में भी अवैध कब्जों को लेकर नोटिस जारी किए गए थे।

कुछ कब्जेदारों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश लेकर आए, लेकिन धार्मिक संरचनाओं के मामले में कोई रोक नहीं होने के चलते प्रशासन ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सुबह-सुबह अभियान चलाकर तीन अवैध धार्मिक ढांचों को ध्वस्त कर भूमि को कब्जे में ले लिया।

महिला आरक्षण बिल पर आदित्य ठाकरे का बड़ा बयान

बोले- देश के लोकतंत्र और संविधान की जीत हुई



मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता, तो यह देश के लोकतंत्र और संविधान की 'पूर्ण हार' होती। मुंबई में दिए गए अपने बयान और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि यह विधेयक सिर्फ महिलाओं को आरक्षण देने के उद्देश्य से नहीं लाया गया था, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक मंशा छिपी हुई थी। उनका कहना है कि इस कानून के जरिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन

(डेलिमिटेशन) की प्रक्रिया को इस तरह इस्तेमाल किया जाता है। जिससे कई राज्यों की राजनीतिक ताकत कम हो जाती है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि इस विधेयक के जरिए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इस तरह बदली जा सकती थीं कि कुछ खास राजनीतिक दलों को फायदा मिले और चुनाव में अनुचित जीत सुनिश्चित की जा सके। आदित्य ठाकरे ने इस प्रस्तावित कानून को "परिसीमन विधेयक" बताया हुए इसकी आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत जरूर है, लेकिन इसके लिए मौजूदा लोकसभा की 543 सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। 2029 तक इंतजार करना और सीटों की संख्या बढ़ाना सही तरीका नहीं है।

आदित्य ठाकरे ने विपक्ष की एकजुटता की सहायता करते हुए कहा कि इसी वजह से यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब सरकार पर निर्भर है कि वह वास्तव में महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है या नहीं। गौतमलव है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं को आरक्षण देने और सीटों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया यह विधेयक हाल ही में लोकसभा में पास नहीं हो सका।

दिग्विजय के मंत्रियों को महिला आरक्षण से था ऐतराज

पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी ने कहा- लगातार हारने वाली सीटों पर टिकट दिए जाते थे महिलाओं को टिकट

भोपाल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री और पूर्व मंत्री डॉ। विजयलक्ष्मी साधू ने अपनी ही पार्टी के दिग्वज नेताओं की सोच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित कांग्रेस व्लांक अध्यक्षों के सम्मेलन में साधू ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि दिग्विजय सिंह सरकार के समय पहली बार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात आई थी, तब कैबिनेट के बड़े-बड़े 'धुरंधर' इसके विरोध में थे। साधू ने मंच से कहा कि 1985 का दौर राजीव गांधी का था, जिन्होंने महिलाओं और युवाओं को तरजीह दी। उसी दौर में वे स्वयं विधायक बनीं और तब अविभाजित मध्यप्रदेश में 32 महिलाएं चुनकर आई थीं। साधू ने दिग्विजय सिंह के मंत्रिमंडल का जिक्र करते हुए कहा, मैं सौभाग्यशाली हूं कि उस मंत्रिमंडल की सिपाही थी। जब 33 प्रतिशत आरक्षण की बात आई, तब कैबिनेट में सुभाष यादव, राजेन्द्र शुक्ला, प्यारेलाल केंवर और मुरारन जी जैसे बड़े नाम शामिल थे। ये सभी



धुरंधर एक सूर में कह रहे थे कि जो महिलाएं किचन और चूचट से बाहर नहीं आतीं, उनके लिए 33 प्रतिशत आरक्षण कहां से लाएंगे? साधू ने आगे कहा कि जब चुनाव हुए तो उन्हीं महिलाओं ने 33 प्रतिशत के मुकाबले 38 प्रतिशत सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी हरीश चौधरी को भी नसीहत दी कि महिलाओं को सिर्फ उन सीटों पर टिकट न थमाएं जहां कांग्रेस सालों से हार रही है। डॉ। विजयलक्ष्मी साधू ने दिग्विजय सिंह के मंत्रिमंडल का जिक्र करते हुए कहा, मैं सौभाग्यशाली हूं कि उस मंत्रिमंडल की सिपाही थी। जब 33 प्रतिशत आरक्षण की बात आई, तब कैबिनेट में सुभाष यादव, राजेन्द्र शुक्ला, प्यारेलाल केंवर और मुरारन जी जैसे बड़े नाम शामिल थे। ये सभी

रविवार, 19 अप्रैल, 2026 5

बंधुआ मजदूरी एक गंभीर समस्या है : विवेक वेंकटस्वामी

मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी पर कार्यशाला आयोजित



हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि बंधुआ मजदूरी एक गंभीर समस्या है, जो मानव गरिमा को गहराई से प्रभावित करती है। इसके उन्मूलन के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों और आम जनता के साप्ताहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बचाव अभियान, पुनर्वास कार्यक्रम, आवास सहायता और सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रही है तथा सभी विभागों से समन्वय के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है ताकि लोग अपने अधिकारों को समझें और शोषणकारी व्यवस्था का शिकार न बनें। साथ ही पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। विवेक वेंकटस्वामी यह बातें मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी के खिलाफ आयोजित राज्य स्तरीय समन्वय कार्यशाला में बोल रहे थे, जिसका आयोजन तेलंगाना पुलिस के



महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ ने अंतरराष्ट्रीय न्याय मिशन के सहयोग से किया। इस कार्यशाला में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पुलिस अधिकारी, न्यायपालिका के प्रतिनिधि, विधि विशेषज्ञ, मीडिया कर्मी और सामाजिक संगठन शामिल थे। कार्यक्रम में मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी के बदलते स्वरूप पर चर्चा करते हुए समन्वित कार्रवाई को मजबूत करने पर बल दिया गया। उद्घाटन सत्र में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारु सिन्हा तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीतका उपस्थित रहीं। कार्यशाला में मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी और देह व्यापार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बंधुआ मजदूरी को एक छिपे हुए और कम रिपोर्ट होने वाले संगठित अपराध के रूप में चिन्हित किया गया। सत्रों में कानूनों के सख्त क्रियान्वयन, प्रभावी जांच,

अभियोजन प्रणाली को मजबूत करने और विशेष इकाइयों की भूमिका बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि बंधुआ मजदूरी केवल श्रम से जुड़ा मुद्दा नहीं, बल्कि एक जबरन संगठित अपराध है, जिसमें लोगों को झूठे वादों के जरिए फंसाकर शोषण की स्थिति में रखा जाता है और वे बिना बाहरी मदद के निकल नहीं पाते। उन्होंने पीड़ितों की पहचान, मजबूत जांच और आधुनिक तकनीक के उपयोग से दोषसिद्धि सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चारु सिन्हा ने कहा कि बंधुआ मजदूरी को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है और इसे अपराध के रूप में पहचानना आवश्यक है। उन्होंने जांच को पूरी शोषण शृंखला तक विस्तारित करने और पीड़ित केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव अनीता रामचंद्रन ने कहा कि केवल बचाव पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्थायी पुनर्वास जरूरी है, अन्यथा पीड़ित

फिर से शोषण की स्थिति में लौट सकते हैं। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि ने न्यूनतम वेतन का भुगतान न करना भी जबरन श्रम का एक रूप बताया। मुख्य वक्ता के रूप में सीतका ने कहा कि कानून होना जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी उसका प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने, अन्य राज्यों के पीड़ितों के साथ समान

संवेदनशीलता रखने और स्थानीय रोजगार, स्वयं सहायता समूहों तथा सामुदायिक तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यशाला में सामुदायिक स्तर पर समन्वय, मीडिया की भूमिका, आंकड़ों आधारित नीतियों और बचाव तथा पुनर्वास प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब जीवित बची पीड़िता शिवम्मा ने अपना अनुभव साझा किया और पीड़ितों की भागीदारी पर आधारित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 9 फरवरी को बंधुआ मजदूरी उन्मूलन दिवस के रूप में मान्यता देने की भी मांग की। अंत में सभी ने मिलकर बहु-हितधारक समन्वय, क्षमता निर्माण और सतत नीति प्रयासों के जरिए मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन के प्रति तेलंगाना की प्रतिबद्धता दोहराई।



हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने शनिवार को सचिवालय से जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर 99 दिनों के ‘प्रजा पालना प्रगति प्राणालिका’ कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 20 से 26 अप्रैल तक पूरे राज्य

में वेलफेयर वीक मनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्धारित गतिविधियों की बेहतर योजना बनाकर, सक्रिय निगरानी के साथ समाह का उद्देश्य कल्याणकारी छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में व्यवस्थाओं को मजबूत करना, सेवाओं की गुणवत्ता सुधारना और छात्रों की भागीदारी बढ़ाना है। विशेष मुख्य सचिव सत्यसाची घोष ने दिनवार कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 20 अप्रैल को स्वच्छता और रसोई व्यवस्था की जांच, 21 अप्रैल को छात्र प्रतिभा कार्यक्रम की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 20 से 26 अप्रैल तक पूरे राज्य

बैठक और मेधावी छात्रों का सम्मान किया जाएगा। इसी तरह 24 अप्रैल को युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, 25 अप्रैल को ग्रीष्मकालीन शिविर और 26 अप्रैल को बड़ी बाटा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी करते हुए दिनवार रिपोर्ट तैयार कर सरकार को प्रस्तुत करें। योजना सचिव गौरव उप्पल ने कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाने और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। बैठक में कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, सीआईपीआर की प्रियाका सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शी टीमों की सख्त कार्रवाई, 36 लोग पकड़े गए

जागरूकता कार्यक्रमों से 1800 से अधिक लोग लाभान्वित

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की शी टीमों ने 11 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच 116 डिर्कों ऑपरेशन चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकतें करने वाले 36 लोगों को रोहताथ पकड़ा। इस दौरान 34 मामलों में मामूली केस दर्ज किए गए, जबकि अन्य लोगों को काउंसिलिंग देकर चेतावनी दी गई। इसी अवधि में शी टीमों को महिलाओं से 18 शिकायतें विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुईं। वहीं एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने एक पीड़िता को रस्क्यू कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

परिवार परामर्श केंद्रों के माध्यम से पति-पत्नी के विवादों में 41 परिवारों को फिर से मिलाने का प्रयास किया गया। सुरक्षा और जागरूकता के तहत एएचटीयू और शी टीमों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 1846 लोगों ने भाग लिया। इसमें मानव तस्करी, ईव टाजिंग, सोशल मीडिया उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर अपराध और महिला हेल्पलाइन जैसी महत्वपूर्ण जानकारीयें दी गईं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के तहत गिव टू गेन पहल के अंतर्गत

माधापुर स्थित सेल्सफोर्स और जेएलएल इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स में महिला सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रत्येक सत्र में करीब 70-80 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन सत्रों में पुलिस अधिकारियों ने वास्तविक जीवन के उदाहरणों के जरिए सुरक्षा उपायों की जानकारी दी और अपात स्थिति में शिकायत दर्ज कराने के तरीकों के बारे में बताया। कार्यक्रमों से प्रतिभागियों में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ा। यह जानकारी साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की डीसीपी के. सृजना ने दी।

महिलाओं को मुफ्त स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान करेगा बीआईआरआईटी

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बैकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल एंड एंटरप्रेनोरशिप डेवलपमेंट (बीआईआरआईटी) तेलंगाना में ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवतियों के लिए 18 मई से 26 जून तक 37 दिनों का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह प्रशिक्षण हैदराबाद के राजेंद्र नगर स्थित संस्थान में दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए 19 से 30 वर्ष की आयु की युवतियां आवेदन कर सकती हैं। बीआईआरआईटी के निदेशक डी. नागराज कुमार ने बताया कि इसमें सिलाई व फैशन डिजाइनिंग, एमएस ऑफिस और जरदोसी व मगमम चर्क जैसे कोर्स सिखाए जाएंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Goureswani Tadele, W/o, No. 14678&837, NK, Govinda Rao Kadagala, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Goureswani Tadele to Tadele Goureswani, vide Affidavit No. BU 311277 dt. 16.04.2026, before Spl Judicial Magistrate at LB Nagar.

I, Sachithi Chodakota, W/o, No. 170314&87, Hav, Chodakota Vikram Ramesh, R/o, Dist: Sattara, Maharashtra, changed my name from Sachithi Chodakota to Chodakota Sachithi Vikram, vide Affidavit No. BU 311301 dt. 16.04.2026, before Spl Ju-dicial Magistrate at LB Nagar.

I, Vijaya Mary, W/o, No. 1454&89001, Et- NK, Chandra Shekar Reddy V, R/o, Dist : Raichur, Karnataka, changed my name from Vijaya Mary to V Vijaya Reddy, vide Affidavit No BU 311273 dt. 10.04.2026, before Spl Ju-dicial Magistrate at L B Nagar.

HOUSE FOR SALE

750 Sq.Yds Independent Building Near Barkatpura, House for Sale clear Title Anybody interest Cont: 7075799839. No Brokers.

आवृत्ताना पाठकों को सूचित किया जाता है कि वार्ताकृत विज्ञापन का प्रतिबन्धन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एनएच-44 पर जाम से राहगीर परेशान

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर पेटलाबुर्ज पुलिस मुख्यालय से बहादुरपुरा स्थित दगाह हजरत मोहम्मद अब्दुल कादिर सिद्दीकी कादरी के बीच का मार्ग इन दिनों वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। लगातार लगने वाले जाम के चलते लोगों का समय बर्बाद हो रहा है और यात्रा मुश्किल हो गई है। स्थानीय निवासी मोहम्मद रहमत अली ने बताया कि व्यस्त समय में इस छोटे से रास्ते को पार करने में करीब 10 मिनट लग जाते

हैं, जबकि सामान्य समय में यह दूरी मात्र तीन मिनट में तय हो जाती है। यातायात पुलिस की मौजूदगी के बावजूद सड़क की खराब स्थिति समस्या को और बढ़ा रही है। पुरानापुल्ल श्मशान घाट के पास सड़क किनारे की हालत खराब है और फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है। वहीं बस स्टॉप के पास टूटे मेनहोलि डकन भी वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बसों के बीच सड़क पर रुकने से शाम के समय यातायात और

अधिक प्रभावित होता है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-44 का हिस्सा होने के कारण दिनभर भारी ट्रैफिक से भरा रहता है, जो दोपहर और शाम के समय और बढ़ जाता है। यातायात पुलिस के अनुसार, जीएचएमसी और संबन्धित विभागों को सड़क मरम्मत के लिए कहा गया है। फिलहाल ट्रैफिक सुचारू रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और सड़क के दोनों ओर डिवाइडर भी लगाया गया है, लेकिन सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण समस्या पूरी तरह हल नहीं हो पा रही है।

विश्व धरोहर दिवस समारोह में विरासत संरक्षण पर जोर

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विरासत विभाग ने डेक्कन हॉटेल्स अकादमी ट्रस्ट और आईएनटीएसी तेलंगाना शाखा के साथ मिलकर सार्वजनिक उद्यान स्थित राज्य संग्रहालय में विश्व धरोहर दिवस मनाया। कार्यक्रम में विरासत संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति की विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने सांस्कृतिक धरोहर को बचाने की जरूरत बताते हुए कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इतिहास को सुरक्षित रखा जाए।

विरासत विभाग के निदेशक अर्जुन राव कुथंडी ने भी समाज से अपील की कि वे विरासत स्थलों और संपत्तियों की रक्षा के लिए आगे आएँ। कार्यक्रम में कई विशेषज्ञों और विद्वानों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए। इस दौरान कई शैक्षणिक पहल शुरू की गईं, जिनमें पञ्जर उखनन रिपोर्ट और 'तेलंगाना लो कलाचुरी शासनतु' जैसे शोध कार्यों का विमोचन शामिल रहा। साथ ही पुरातत्व, संग्रहालय विज्ञान, संरक्षण और शिलालेख विज्ञान में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, शोधकर्ता और विरासत प्रेमी शामिल हुए, जिससे तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता नजर आई।

महिला आरक्षण विधेयक पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का भाजपा पर तीखा हमला

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने पर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी संविधान संशोधन के जरिए आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने नरेंद्र मोदी से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लेकर अपनी नीयत साबित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान 543 लोकसभा सीटों और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाला नया विधेयक तुरंत संसद में लाया जाए। ऐसा होने पर इंडिया गठबंधन इसका समर्थन करेगा। रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि 2011 की जनगणना और पूर्व परिसीमन के

आधार पर 15 अगस्त 2026 तक महिला आरक्षण लागू किया जा सकता है, ताकि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों में इसे लागू किया जा सके। मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के. स्टालिन, सिद्धारमैया, पिन्नाई विजयन, एन. चंद्रबाबू नायडू और एन. रंगास्वामी के साथ बैठक कर समर्थन जुटाने की बात कही।

परिसीमन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने केंद्र से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों की राय और जनता की प्रतिक्रिया लेने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने जनसंख्या के अनुपात पर आधारित परिसीमन का विरोध करते हुए कहा कि इससे दक्षिण और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ अन्याय होगा। मुख्यमंत्री ने

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की तेलंगाना गठन पर की गई टिप्पणियों की भी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और सांसद के. लक्ष्मण पर पद के लिए तेलंगाना के हितों को गिरवी रखने का आरोप लगाया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के अधिकारों को लेकर हमेशा प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने याद दिलाया कि आजादी के तुरंत बाद महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया गया और स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, जिससे कई क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंची है। इस मौके पर सांसद मल्लू रवि, सुरेश शेटकार, बलराम नायक सहित कई विधायक और पार्टी नेता उपस्थित थे।

‘लोकतंत्र ने तानाशाही पर विजय प्राप्त की’

सीपीआई ने परिसीमन पर सरकार को घेरा हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी संबाशिवा राव ने परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष द्वारा इस विधेयक को रोकने से लोकतंत्र की जीत हुई है। शहर में आयोजित सीपीआई मेडल-मलकाजगिरि जिला समिति की बैठक में उन्होंने इस विधेयक को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार इसे बिना पारदर्शिता के लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि परिसीमन का उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निष्पक्ष प्रतिनिधित्व होना चाहिए, लेकिन इसका राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

सीएमसी कमिश्नर ने एच-सीआईटीआई पुल परियोजना का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) की आयुक्त जी. श्रीजना ने शनिवार सुबह कुथबुल्लापुर जेन का दौरा कर एच-सीआईटीआई पुल परियोजना का निरीक्षण किया। यह पुल जीडीमेटला पाइपलाइन रोड पर फॉक्स सागर नाले के ऊपर चार लेन का बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर कारों की प्रगति और जमीन अधिग्रहण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कामपल्ली और जीडीमेटला के अधिकारियों को निर्देश दिया कि टीडीआर (हस्तांतरणीय विकास अधिकार) के जरिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज किया जाए। आयुक्त ने कहा कि प्रभावित जमीन मालिकों से सही तरीके से बातचीत कर समय पर जमीन अधिग्रहण पूरा करना जरूरी है, ताकि परियोजना में देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को काम की नियमित निगरानी करने और समय-समय पर समीक्षा करते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह पुल बनने से कुथबुल्लापुर इलाके में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने परियोजना को तय समय में और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर जोर दिया।

विपक्ष ने महिलाओं के साथ विश्वासघात किया : किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विपक्षी दलों पर संसद में परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयकों को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे ‘ऐतिहासिक भूल’ बताते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक सुधारों में बाधा आई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य विधायी प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है और दक्षिणी राज्यों के साथ भेदभाव के आरोप बेबुनियाद हैं। रेड्डी ने आरोप लगाया कि विपक्ष इन विधेयकों का विरोध करने के लिए ठोस कारण नहीं दे पाया और जनता को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के इस खेये से महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों को नुकसान हुआ है और उनके अधिकारों के साथ विश्वासघात हुआ है।



रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से इन विधेयकों में बाधा डाली गई, जिससे महिलाओं और वंचित वर्गों को राजनीति में अधिक अवसर मिलने से रोका गया। उन्होंने कहा कि इस कदम से उन महिलाओं की उम्मीदों को झटका लगा है जो राजनीति में आकर समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं।



इस बार 100 साल बाद 'अक्षय योग'

इस साल अक्षय तृतीया पर चंद्रमा और सूर्य दोनों अपनी उच्च राशि में रहेंगे. इस वजह है इस दिन का महत्व 100 गुना बढ़ गया है. साथ ही अक्षय तृतीया पर गजकेसरी योग, मालव्य योग और अक्षय योग बन रहा है.

अक्षय तृतीया का यह शुभ समय मेष राशि के जातकों के लिए बेहतरीन अवसर लेकर आ रहा है. गजकेसरी योग के शुभ असर से करियर में उन्नति के योग बन रहे हैं और नई नौकरी मिलने की संभावना भी मजबूत है. आपकी मेहनत रंग लाएगी और सीनियर्स आपके काम से प्रभावित होंगे. बिजनेस करने वालों को नए क्लाइंट मिलने से मुनाफा बढ़ेगा.

धनु राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया का दिन सपनों को साकार करने वाला साबित हो सकता है.

घर खरीदने की इच्छा पूरी होने के योग हैं. कला और क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों खुद वाह वाही और पैसा कमाएंगे. नौकरी में प्रमोशन के साथ सैलरी बढ़ने की भी संभावना है.

वृषभ राशि के लोगों के लिए आय के नए स्रोत खुल सकते हैं. अक्षय योग के शुभ प्रभाव से आर्थिक परेशानियाँ धीरे-धीरे खत्म होने लगेंगी. आपके कार्यों की सराहना होगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा. सैलरी बढ़ोतरी के योग हैं.

तुला राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया बेहद शुभ संकेत लेकर आ रही है. घर या प्रॉपर्टी खरीदने का प्लान सफल हो सकता है. लोग आपकी बातों को सराहेंगे. ऐसे में समाज में छवि निखरेगी. बिजनेस का ग्राफ आसमान छूता हुआ नजर आएगा.

अक्षय तृतीया के दिन रहेगा बेहद शुभ आयुष्मान योग

महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जप
महामृत्युंजय मंत्र को शारीरिक कष्टों को दूर करने वाला और अकाल मृत्यु के भय को दूर करने वाला माना जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर आपको भगवान शिव की पूजा के दौरान इस मंत्र का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। संभव हो तो सवा लाख बार आप इस मंत्र का जप करें। ऐसा करने से बड़े से बड़ा रोग और कष्ट दूर हो सकता है।



अक्षय तृतीया का त्योहार ऐसे समय में आता है जब गर्मियों बढ़ रही होती हैं। इसलिए अक्षय तृतीया के दिन आपको मिट्टी के पात्र में जल का दान करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। जल का दान करने से बुध और चंद्रमा की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है जिसके चलते मानसिक और शारीरिक कष्टों से आपको मुक्ति पाते हैं।

औषधियों का करें दान

किसी अनाथालय, वृद्धाश्रम में अक्षय तृतीया के दिन आपको दवाइयों का दान करना चाहिए। आप किसी जरूरतमंद की मदद भी दवाइयां देकर कर सकते हैं। आयुष्मान योग में ऐसा करने से आपको ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है और आपको आरोग्य की प्राप्ति होती है।

पितरों की करें पूजा

कई बार असाध्य बीमारियों का कारण कुंडली में मौजूद पितृदोष हो सकता है। पितृ दोष के कारण व्यक्ति बार-बार बीमार भी पड़ता है। इसलिए अक्षय तृतीया के दिन आपको पितरों की पूजा के साथ दान, पिंडदान आदि भी करना चाहिए। ऐसा करने से आपके पितृ प्रसन्न होंगे और आरोग्य की आपको प्राप्ति होगी। साल 2026 में आयुष्मान योग भी अक्षय तृतीया के दिन रहेगा इसलिए पितरों की पूजा करने से पूरे परिवार की सेहत में अच्छे बदलाव आ सकते हैं।

पीले चीजों का दान

अक्षय तृतीया के दिन सूर्य ग्रह अपनी उच्च राशि में रहते हैं इसलिए पीली चीजों का दान करने से शुभ फल आपको मिलते हैं। ऐसा करने से आरोग्य की भी आपको प्राप्ति होती है। आप आम, खरबूजा, चने की दाल आदि दान कर सकते हैं। इन चीजों का दान करना सूर्य को तो मजबूत करता ही है साथ ही गुरु ग्रह भी आपको शुभ फल देने लगते हैं।

गया का ये मंदिर क्यों है अलग?

यहां के हर रिवाज से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है!

बिहार के गया में स्थित मंगला गौरी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र भी है. मंदिर से जुड़ा अनुष्ठान, जलती लौ, पवित्र पत्थर विनम्रता का संदेश देती है.

मंगला गौरी मंदिर का इतिहास

बिहार राज्य में स्थित पवित्र नगरी गया, जहां लोग



अपने पूर्वजों के लिए विशेष अनुष्ठान करने आते हैं. यहां एक ऐसा मंदिर है, जो जीवन और मृत्यु के बारे में सभी मान्यताओं को चुनौती देती है. मंगला गौरी मंदिर जहां जीवित लोग मृतकों के लिए खास अनुष्ठान करते हैं.

बिहार राज्य में स्थित पवित्र नगरी गया, जहां लोग अपने पूर्वजों के लिए विशेष अनुष्ठान करने आते हैं. यहां एक ऐसा मंदिर है, जो जीवन और मृत्यु के बारे में सभी मान्यताओं को चुनौती देती है. मंगला गौरी मंदिर जहां जीवित लोग मृतकों के लिए खास अनुष्ठान करते हैं.

खुद अपना अंतिम संस्कार करना थोड़ा बढ़ाकर कहा हुआ लग सकता है. लेकिन यहां यह प्रतीकात्मक है. यह अहंकार, डर और आसक्ति को त्यागने का प्रतीक है. यहां लोग मृत्यु की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन के एक नए तरीके की तैयारी कर रहे होते हैं. यहां सदियों से एक पवित्र लौ जल रही है, जो काफ़ी समय बीतने के बाद भी यहीं बरकरार है. यह लौ निरंतरता का प्रतीक है. इस लौ के सामने खड़े होकर एक शांति की अनुभूति होती है. यह शाश्वत अग्नि आपको याद दिलाती है कि, जीवन असल में रुकता नहीं है, यह केवल एक दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाता है. जो इस बात को दर्शाता है कि, प्रत्येक अंत किसी नई शुरुआत का प्रतीक है.

यहां सदियों से एक पवित्र लौ जल रही है, जो काफ़ी समय बीतने के बाद भी यहीं बरकरार है. यह लौ निरंतरता का प्रतीक है. इस लौ के सामने खड़े होकर एक शांति की अनुभूति होती है. यह शाश्वत अग्नि आपको याद दिलाती है कि, जीवन असल में रुकता नहीं है, यह केवल एक दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाता है. जो इस बात को दर्शाता है कि, प्रत्येक अंत किसी नई शुरुआत का प्रतीक है.

यहां सदियों से एक पवित्र लौ जल रही है, जो काफ़ी समय बीतने के बाद भी यहीं बरकरार है. यह लौ निरंतरता का प्रतीक है. इस लौ के सामने खड़े होकर एक शांति की अनुभूति होती है. यह शाश्वत अग्नि आपको याद दिलाती है कि, जीवन असल में रुकता नहीं है, यह केवल एक दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाता है. जो इस बात को दर्शाता है कि, प्रत्येक अंत किसी नई शुरुआत का प्रतीक है.

यहां सदियों से एक पवित्र लौ जल रही है, जो काफ़ी समय बीतने के बाद भी यहीं बरकरार है. यह लौ निरंतरता का प्रतीक है. इस लौ के सामने खड़े होकर एक शांति की अनुभूति होती है. यह शाश्वत अग्नि आपको याद दिलाती है कि, जीवन असल में रुकता नहीं है, यह केवल एक दूसरे रूप में परिवर्तित हो जाता है. जो इस बात को दर्शाता है कि, प्रत्येक अंत किसी नई शुरुआत का प्रतीक है.

यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अंदर जाने से पहले झुकना पड़ता है. यह इस बात को इंगित करता है कि, अहंकार के साथ प्रवेश नहीं कर सकते, आपको प्रणाम करना ही होगा.

मंदिर का प्रवेश द्वार का फी संकरा है, जिस वजह से यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अंदर जाने से

पहले झुकना पड़ता है. यह इस बात को इंगित करता है कि, अहंकार के साथ प्रवेश नहीं कर सकते, आपको प्रणाम करना ही होगा. इस सरल कार्य में गहरा अर्थ छिपा है, जो बताता है कि, सच्ची समझ अहंकार के खत्म होने से ही शुरू होती है. चाहे आपका पद, ज्ञान या शक्ति कुछ हो उच्च स्तर तक पहुंचने के लिए खुद को पहले विनम्र करना ही होगा. मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं. मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं.

मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं. मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं.

मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं. मंगला गौरी मंदिर मात्र एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अहसास बन जाता है, जिसे आप अपने भीतर संजो कर रखते हैं. मंदिर की शांति जीवन के वास्तविक मूल्य को समझ पाने में मदद करती हैं.

संगति से ही हमारी सोच बनती है, इसलिए अच्छे लोगों की संगति सुखी जीवन के लिए जरूरी है

अच्छे लोगों की संगति, साधु-संतों का सान्निध्य सुखद जीवन के लिए जरूरी है। विशेषकर वे महापुरुष, जिन्होंने आत्मसंयम और जागरूकता के साथ जीवन जिया है, उनका साथ व्यक्ति के लिए कल्याणकारी होता है। ऐसे जागृत लोग हमें सही मार्ग दिखाते हैं। साधु-संतों और सज्जनों की संगति सुखद, लाभदायक और सफलता दिलाने वाली मानी गई है। यह सत्य है कि जैसा संग होता है, वैसी ही हमारी सोच, प्रवृत्ति और प्रकृति बनती है।

वैशाख मास का शुक्ल पक्ष शुरू

जानिए अक्षय तृतीया, गंगा सप्तमी, भगवान नृसिंह जयंती जैसे

बड़े व्रत-पर्वों पर कौन-कौन से शुभ काम करें?

वैशाख मास का शुक्ल पक्ष शुरू हो गया है। ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में जाने-अनजाने में दिए गए छोटे से दान का भी बड़ा पुण्य मिलता है, इसलिए इन दिनों को धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत शुभ माना गया है। वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष में अन्न, जल, कपड़े, जूते-चप्पल और छाता दान करने का महत्व है। जानिए इस पक्ष के अक्षय तृतीया, गंगा सप्तमी, भगवान नृसिंह जयंती जैसे बड़े व्रत-पर्वों पर कौन-कौन से शुभ काम करें...

अक्षय तृतीया (19 अप्रैल):

शास्त्रों में इसका एक नाम युगादि

तिथि भी है, क्योंकि यानी इस दिन से त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। ज्योतिष में इसे अबुझ मुहूर्त कहा गया है। अक्षय तृतीया पर किए गए दान का पुण्य कभी खत्म नहीं होता है, इसलिए इस तिथि पर दान जरूर करना चाहिए। इसी दिन भगवान परशुराम का प्रकट उत्सव भी मनाते हैं।

शंकराचार्य जयंती (21 अप्रैल):

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर दक्षिण भारत में

जगतगुरु आदि शंकराचार्य का जन्म हुआ था। शंकराचार्य ने कम उम्र में ही वेदों की व्याख्या कर कई ग्रंथ लिखे। इन्होंने ही देश में हिंदू धर्म के चारधाम बनाए। जीवन के आखिरी दिनों में शंकराचार्य केदारनाथ के आसपास रहे और इसी क्षेत्र में महासमाधी ली। 22 अप्रैल को आदिगुरु शंकराचार्य का पूजन करना चाहिए।

गंगा सप्तमी (23 अप्रैल):

शुक्ल पक्ष की सप्तमी पर गंगा



सप्तमी मनाई जाती है। इस दिन गंगा नदी और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। स्नान के बाद गंगा माता का पूजन करना चाहिए।

जानकी नवमी (25 अप्रैल):

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की

नवमी पर देवी सीता की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि देवी सीता इसी तिथि पर प्रकट हुई थीं। इसके बाद जब राजा जनक यज्ञ के लिए भूमि में हल चला रहा थे, तब देवी सीता इन्हें खेत में से मिली थीं।

मोहिनी एकादशी (27 अप्रैल):

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की

एकादशी को मोहिनी एकादशी कहते हैं। इस व्रत से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं। पौराणिक कथा के मुताबिक समुद्र मंथन से निकले अमृत को राक्षसों से बचाने के लिए इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने मोहिनी

रूप लिया था। इस तिथि पर व्रत-उपवास और विष्णु पूजा करनी चाहिए।

नृसिंह प्रकट उत्सव (30 अप्रैल):

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर भगवान

नृसिंह का प्रकट उत्सव मनाया जाता है। ये भगवान विष्णु का चौथा अवतार है। इनका आधा शरीर सिंह और आधा इंसान का था। नृसिंह भगवान ने राक्षस हिरण्यकश्यप को मारकर भक्त प्रहलाद की रक्षा की थी। इस तिथि पर भगवान नृसिंह को चंदन चढ़ाना चाहिए।

वैशाख पूर्णिमा (1 मई):

वैशाख महीने की पूर्णिमा पर पानी में तिल मिलाकर स्नान करने की परंपरा है। इस तिथि पर तिल का दान करें, तिल से हवन करें। पूर्णिमा तिथि पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की परंपरा भी है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया

भारतीय संस्कृति एक प्राणवान संस्कृति है। यह त्यागमय भावनाओं से अनुप्राणित है। इस उज्ज्वल संस्कृति में तीन धाराओं का मूल्यवान योग रहा है

1.जैन 2.बौद्ध 3.

वैदिक। ये तीनों धाराएं इसी भारत

भूमि पर प्रसृत हुई। पल्लवितव पुष्पित हुई। इन तीनों ने भारतीय जनमानस को प्रभावित किया है। आज भी भारतीय संस्कृति में त्याग, सहिष्णुता धर्म्य जैसे गुण समाये हुए हैं। जो इन तीनों के मूल में है। जैन धर्म के प्रथम प्रवर्तक भगवान ऋषभ थे और अंतिम बढ़ाया और जनता के सामने प्रस्तुत किया। भगवान ऋषभ का जन्म योगलिक संस्कृति के अंत में हुआ था। भगवान ऋषभ का जीवन चौरासी लाखपूर्व का था। उसमें तिरासी लाख पूर्व

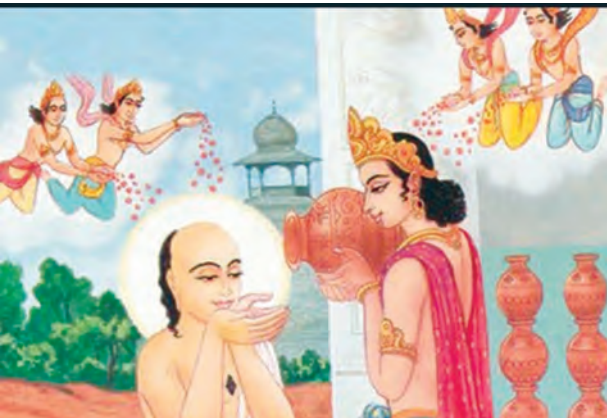


निर्मला बैद

घर-घर गवैषणा कर रहे थे।उधर ऋषभ के प्रपौत्र श्रेयांस कुमार को पिछली रात्रि में एक स्वप्न दिखायी दिया। किश्यामल बने हुए मेरुगिरि को मेरे द्वारा दूध से सींचने पर वह

पुनः कांतिमय बन गया। प्रातः काल अपने महल के गवाक्ष में बैठा हुआ श्रेयांस कुमार रात्रि में आये अपने स्वप्न पर विचार कर रहा था। अकस्मात राजपथ पर घूमते हुए अपने परदादा पं. ऋषभ उन्हें नजर आये। जाति स्मरण ज्ञान से श्रेयांस कुमार ने जाना कि प्रभु प्रासुक आहार की गवैषणा कर रहे हैं।

तत्काल श्रेयांस कुमार नीचे उतरा ऋषभ के चरणों में विधिवत वंदना कर आहार के लिए प्रार्थना की। राजमहल में प्रवेश किया। श्रेयांस कुमार ने निवेदन किया। अंत



समय उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक मूल्यों की स्थापना में बिताया। ठीक समय पर ऋषभ ने अभिनिक्रमण किया। दीक्षा के साथ ही ऋषभ के पूर्वजित अन्तराय कर्म का विपाको दय हो गया। लोग भिक्षा विधि से अपरिचित थे। किसी ने हाथी किसी ने घोड़ा। किसी ने रथ के लिए आग्रह किया। प्रभु को नंगे पैर देखकर किसी ने रत्न-जडित जूते लाकर पहन लेने का आग्रह किया।

शुद्ध आहार के अभाव में ऋषभ को बिना खाये पीये बारह मास बीत गये। वैशाख शुक्ला तृतीया का दिन था। प्रभु भिक्षा के लिए

इक्षरस के 108 घड़े प्रासुक है। आप ग्रहण करें। ऋषभ ने वहां खड़े होकर दोनों हथेलियों को सटाकर मुख ले लगा लिया। राजकुमार श्रेयांस ने उल्लसित भावना से इक्षु रस का दान दिया। इस प्रकार इक्षुरस से प्रभु का पारम हुआ। देवों में पंच द्रव्य प्रकट किये। अहोदान की ध्वनि से आकाश गुंज उठा। दान की महिमा व विधि से लोग परिचित हुए। ऋषभ के एक संवत्सर की तपस्या के बाद दान धर्म की स्थापना हुई इक्षरस के दान से वैशाख शुक्ला तृतीया का दिन 'अक्षय' हो गया। इसे इक्षु तीज 'आखातीज या। 'अक्षय तृतीया' के नाम से जाना जाने लगा।



अतुल कुमार

सुरों की सम्राज्ञी आशा भोंसले नहीं रहीं . बीती 12 अप्रैल को 92 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया . उनकी आवाज़ में कई प्रकार थे . कहना मुश्किल है कि उनमें सबसे अच्छा प्रकार कौन सा था . फिल्म गानों की दुनिया पर ऐसा राज किया कि उनको भुलाना असंभव है . ये वो गाने हैं जिन्होंने श्रोताओं का दिल चुराया . उनकी आवाज़ गीत गायन की प्रयोगशाला थी जिसमें मनचाहे स्टाइल को पेश किया . वसंताइल सिंगर थीं जिनके गानों में लटक , झटक और मटक के प्लेवर को सुन हर उम्र के लिसनर्स मोहित हुए गानों की रेंज इतनी बृहत और विशाल कि जिसमें सभी भावों के रंग समाए होते . गानों में हर उस अदा को प्रस्तुत किया जो गाना प्रेमियों को लुभा गये . जैसे “ आओ हुजूर तुमको सितारों में ले चलूँ “ में हंसी और हिचकी का जिस प्रकार इस्तेमाल किया वो लोगों को झुमा गया . इसी तरह “ जाइये आप कहाँ जायेंगे ये नजर लौट कर फिर आयेगी में “ आ – आ – और आ “ का कर्णाप्रिय उपयोग

मौन

मौन बहुत कुछ बोलती सारे भावों को तोलती, करे गर्जना मौन हमारी शब्दों के रस घोलती । मौन समझना आसान नहीं है , ये हर ईसान का काम नहीं है, मौन चीखती दिशा में चारो पर इसे समझना आम नहीं है । भावुक बहुत ही होती मौन चैन से कभी ना सोती मौन, मौन भावों का जादूगर है , ये शब्दों को कर देती गौण । मौन के मुख होती चिन्कार लेती अनेकों है आकार, इसकी भाषा बड़ी निराली जो समझे उसे लगती प्यारी । इसकी भाषा होती अनेक समझे वही जो रखे विवेक मौन में शक्ति बहुत भरी है शब्द दासी बन चरण पड़ी है ।

सुरों की जीत

जीवन की राह पर हम भी चल पड़े थे आंखों में सपना लिए मंजिल पे नजर थी । मन में आशा , खुद पर विश्वास यही बस साथ था । पारखी नजर ने हमें पहचाना , ' सुरों ' की फिर जीत हुई । मेहनत रंग लाई संगीत जगत में , हमारा भी नाम हुआ ।

गर्मी से त्रस्त जीवजंतु

मौसम ने बदले मिजाज, गर्मी की खुल गई पोटली हवा की खुश्की ने पूछा, आयेगी कब वर्षा को हिचकी प्यास की पुकार ने सबकी चक्की हिला दी है सूरज बाबा की किरणों ने रंगभूमि सजा दी है बादल भाई को मैसेज भेजा शायद मिला नहीं वर्षा के स्वागत में हम सब ने बर्षा सजा दी है चलो बरस भी जाओ दीदी , कैसी जग से कुट्टी ? मौसम ने बदले मिजाज, गर्मी की खुल गई पोटली ।। बहुत बेचैन है जीवन,अभी नहीं कुछ या सुहाता है कजरारे-काले बादल का वो कड़कना याद आता है जीव-जंतु,पेड़-पौधे बेचैन सभी हैं इस वक्त धरा पर काश जलसंचय कर लेते,वक्त का प्रश्न याद आता है गलती हम खुद करते हैं,देख ली मौसम की सख्ती मौसम ने बदले मिजाज, गर्मी की खुल गई पोटली ।। आओ वर्षा हम गमगीन बस राह तुम्हारी तक रहे हैं बेबसी में इस जग की , हजारों कविताएँ लिख रहे हैं इंद्रदेव की पूजा की,बदरी भूलेभटके आ जाओ इधर भले हम हैं स्वाधी पर फिरभी हमने नेग में शीश धरे हैं त्रस्त हैं,पस्त हैं,कौप कम हो विनती सूरज बाबा की मौसम ने बदले मिजाज गर्मी की खुल गई पोटली ।।

रात की रानी

नीरव निशीथ की बाहों में, तरु पल्लव विश्रान्त पड़े वन प्रांतर के मौन को झीगुर के स्वर तोड़ रहे ।। तभी एक कोमल कली डाली पर, धवल पंखुड़ी खोल खिली मधु सुवास की वो स्वामिनी, निर्दरंगी सी फूट पड़ी ।। लघु जीवन बस एक रात का, पर जागी वो सारी रैना रही बांटीकी कोने कोने



कोशल्या गुप्ता, हैदराबाद



डॉ संगुला सिंह जमशेदपुर



गजानन पाण्डेय



कुलुद बाला, हैदराबाद

निज खुशबू का बैना ।।
उर का संचित कोष लुटा कर,
मन ही मन वह हर्ष रही थी
हवा के सुवासित हिंडोले में
हौले हौले झुल रही थी ।।
ओस स्वेद से भीगी देह को,
प्रथम रश्मि ने आकर सहलाया
नहीं सी कोमल काया की
पवन भोर ने गले लगाया ।।
त्याग के शाश्वत सुख में डूबी,
वह महक रही थी डाली डाली
महादान के ओज से मंडित
दमक रही थी रात की रानी ।।
एक रात के लघु जीवन का,
लक्ष्य अपना कर के पूर्ण
गिरी धरा की गोद में
वह नन्हीं सी रात की रानी ।।
त्याग के शाश्वत सुख में डूबी
तृण शैल्या पर आकर लेटी
पर महादान के ओज से मंडित
दमक रही थी रात की रानी ।।

अजनबी

काश !
मैं अब वह भाषा नहीं बोल सकता
वे शब्द जिनके साथ मेरा जन्म हुआ
और जिनके साथ मैं बड़ा हुआ,
उन्होंने मुझे एक-एक कर छोड़ दिया है,
और मैं बेसहारा खड़ा हूँ
वे ध्वनियाँ जो मेरे दिल के बेहद करीब थीं
वे मेरी यादों से चुपके से निकल गई हैं
कभी वापस न आने के लिए
वे तस्वीरें जिन्होंने मेरे बचपन के सपनों में रंग भरे थे
अब निष्प्राण पड़ी हैं
धुंधली होती उन तस्वीरों में,
जो एक दीमक लगी एल्वम में चिपकी हैं
मेरे भीतर कुछ खोखला सा महसूस होता है,
जब मैं 'घर' लौटता हूँ,
जहाँ से अब मेरा कोई वास्ता नहीं रहा....

अलविदा

अलविदा कहकर चले गए
औँखों में आसु देकर चले गए
पीछे मुडकर भी नहीं देखा
रोक ने का मौका भी नहीं दिया
औँखों का नीर भी सूख गया है
चारो ओर अंधेरा छा गया है
बादलों की गहराही में नजर आते हो
तारों की महपिल में नजर आते हो
दुनिया वीरान है आप के बिना
जीवन अधूरा है आप के बिना ।।

दर्द और आँसुओं की ताकत

उन दीवारों से पृछो वो 'रातें' कैसी थीं,
जब 'रोटी' भी छुप-छुप के खाती थी।
उन्के आँसू भी 'आवाज' न करें कहीं,
इस डर से हर 'पीड़ा' दबाई जाती थी।
नन्ही-सी उम्र में सपने देखें थे कोमल,
लेकिन किस्मत ने यूँ बोझ थमा दिया।
अपनों के मध्य में ही 'पराया' बनाकर,
जिन्दगी जीना जैसे 'सजा' बना दिया।
हर एक चोट ने दिल को 'तोड़ा' जरूर,
पर स्वयं की हिम्मत को तोड़ ना पाई।
यहाँ 'अंधेरों' ने भी लाख कोशिश की,
पर एक आशा की किरण बुझ न पाई।
एक दिन जब हद से ही गुजर गया दर्द,
और सँसैं भी ज्यादा भारी लगने लगीं।
तबसे 'भीतर' की एक छोटी-सी उम्मीद,



बी. पी. आचार्य



जीटी बजाज हैदराबाद



संजय एन. तराणेकर, इंदौर

दूर तक आपके पीछे मेरी आवाज़ चली आएगी : आशा भोंसले



इक पल है “ में उन्होंने जो सुर सजाए वो दिलों में घर कर गये . उनके आठ दशकों के गायन जीवन की महत्ता को इसी से समझा जा सकता है कि पाप , ग़ज़ल ,रोमांटिक , भाव गीत और भजनों सहित हर जोनर के गाने गा अपनी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मनवाया .उनकी आवाज़ में ऐसी शिखर रेखा थी जिसने गाना प्रेमियों को मूर्च्छा किया . पिता दीनानाथ मंगेशकर प्रसिद्ध

संगीतकार और रंगमंच के कलाकार थे . बचपन से ही घर में संगीत का माहौल था .जिससे गायन की प्रेरणा मिली .पिता के निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट आ गया जिसके चलते 10 साल की उम्र में गाना शुरु किया और अनगिनत यादगार गानों को अपनी आवाज़ दी जिसमें एक अलग ही जादू था . जिसने हर पीढी को आकर्षित किया .बदलते

वक्त के साथ खुद को बदला और नये संगीत ट्रेंड्स को अपनाया जो उनकी सबसे बड़ी ताकत बना प्रसंगानुसार देवानंद जब फिल्म “ हरे राम हरे कृष्ण “ बना रहे थे तब गाने “दम मारो दम मिट जाये गम “ को गायिका कर उसे मेलोडियस बनाया असल में आशा भोंसले एक युग का नाम था जिसके गुलदान में एक से एक बेहतरीन गाने सजे हुए हैं जिनकी महक आज भी

का जो मनमोहक रूप प्रस्तुत किया वह यादगार इतिहास बना .यह गीत सन 1972 की बिनाका गीतमाला का सर्वश्रेष्ठ सरताज गीत बना जिसका चयन श्रोताओं द्वारा किया गया .गीत के बीच तू – तुरू – तू का इस्तेमाल कर उसे मेलोडियस बनाया असल में आशा भोंसले एक युग का नाम था जिसके गुलदान में एक से एक बेहतरीन गाने सजे हुए हैं जिनकी महक आज भी

बरकरार है .उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनायी जो बड़ी बहन लता मंगेशकर की छाया से बाहर थी .हिंदी फिल्मों में गायन की शुरुआत सन 1948 में रिलीज़ हुई फिल्म “ चुनरिया “ से की . गीत था “ सावन आया “ तदुपरांत 1000 से अधिक फिल्मों में गीत गाये . गिनीज़ बुक के अनुसार सबसे अधिक गाने गाये . एक फिल्म “ माई “ में अभिनय भी किया .शुरुआती दौर में गीता बाली ,शमशाद बेगम ,और लता मंगेशकर जैसे बड़े नाम गायिकी में छाप हुए थे .ऐसे में उनके छोड़े गये गाने ही उनको मिलते

लेकिन. सन 1950 में ओ पी नैयर के बनाए संगीत का साथ पा कामयाबी की पायदानों पर तेज़ी से बढ़ीं और वह गाने श्रोताओं के मन को भाये .जैसे “ सर पे टोपी लाल “ “ हौले हौले चलो मेरे साजना “ “ एक परदेसी मेरा दिल ले गया “ और “ इशारों इशारों में दिल देने वाले “ आदि गानों ने उनको रिच की महारानी बनाया . इस कॉबिनेशन के गानों ने जो धूम मचायी वह अभी तक बनी है .भजन “ तोरा मन दर्पण कहलाये “ “ ओ रोम रोम में बसने वाले राम “ तथा “ अंबे तू है जगदंबे “ भजनों ने उनके भजन गायिकी के मधुर रूप को प्रस्तुत किया .फिल्म “ उमराव जान “ में यादगार गाने गाये जो पांच दशक बाद अब भी पुराने

नहीं हुए मसलन “ दिल चीज क्या है “ और “ ये क्या जगह है दोस्तो “[ने उनके करियर के बेहतरीन गायन को प्रस्तुत किया संगीत निर्देशक राहुल देव बर्मन संग उनकी आवाज़ ने एक से एक लाजवाब गानों की झड़ी लगायी जो अब भी श्रोताओं के दिल में बसे हुए हैं. जैसे “ रोज रोज आँखों तले “ “ मेरा कुछ सामान “ “ दो लफ़्ज़ों की है “ तथा “ जाने जां ढूंढता फिर रहा “ इत्यादि . अपने करियर में किसी भी अन्य महिला गायिका से अधिक गीत गाये . उनको दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया .8 सितंबर 1933 को जन्मी लीजेंडी सिंगर आशा भोंसले गायिका न होतीं तो क्या होतीं प्रश्न के उत्तर में कहा कि मैं अच्छी कुक (रसोइया) होती जिसे उन्होंने अपने रेस्तराओं के कारोबार से सिद्ध किया . सुरों की जादूगरनी आशा भोंसले ने दुनिया को अलविदा कहा .

लेकिन संगीत प्रेमियों के बीच उनके गाने हमेशा रौशनी और रंगत बिखेरते रहेंगे .किसी शायर ने खूब लिखा “ मौत की क्या मजाल को सुरों को मिटा सके / वो तो अमर है ,जो फिजाओं में गूंजती रहे / जिसम फानी है ,मगर आवाज़ रुहानी है ,जब तक संगीत है , वो एक अमर कहानी है // महान गायिका आशा भोंसले ने यही किया .

काव्य कुंज

अंदर ही हौले-हौले से फिर जगने लगी।
कहा—तू खत्म होने के लिए नहीं बनी,
तू तो एक नवद कहानी है बदलाव की।
जो राख से भी उठकर जल उठेगी फिर,
एक नई उजली होके निकले आग सी।
औंसू को ताकत बना डर को छोड़ दिया,
जो रोटी छुपके खाती रिश्ता तोड़ दिया।
ये वही चेहरा जिसने अंधेरों को हराया है,
ये कहती—तू उठ, तेरा भी वक्त आया है।

चाहो तो

चाहो तो नदिया, झरने, लताएँ,
फूल सब तुम्हारे हो सकते ,
बस एक बार तुम्हारी आँखें तय कर लें
हमें क्या रुचिकर लगता, वरना
नदियाँ चुपचाप बहती रहेंगी,
झरने अपनी ही आवाज में
खुद का संगीत सुनेंगे
लताएँ पेड़ों संग झुमकर
अपना अकेलापन छिपाएँगी,
फूल बिना किसी नाम के खुशबू देते रहेंगे।
औँखों के सामने जो कुछ वह सच नहीं होता हमेशा,
वह सिर्फ उतना ही होता जितना हम उसे देखना चाहते ।
एक ही पेड़ के नीचे कोई छाँव ढूँढता ,
कोई लकड़ी,पत्तियाँ,
कोई पत्तों की सरसराहट में घर बना लेता ।
नज़रों का भी अपना मौसम होता
कभी वह बसंत हो जाती ,
जहाँ हर चीज फूल की तरह खुलती ,
और कभी पतझर, जहाँ हर हरा रंग संदेह में बदल जाता ।
तुम चाहो तो इस क्षण को एक नदी बना सकते हो,
जिसमें समय धीरे-धीरे बहे, सब कुछ तुम्हारी दृष्टि के छोटे-से आँगन में जहाँ
आसमान भी उतर सकता और सिर्फ धूल भी बच सकती ।
इसलिए चाहो तो नदियाँ तुम्हारी , झरने तुम्हारे,
लताएँ तुम्हारी, फूल तुम्हारे सुंदर प्रकृति तुम्हारी।

लोग भूल जाते हैं एहसान

लोग भूल जाते हैं एहसान,
जब खड़ा हो जाता है मकान।
जिनके दर पे झुके थे हम कभी,
आज वही लगते हैं अनजान।
उन्हीं छतों से हमें ललकारते,
जिनसे लाया था कभी सामान।
वक्त बदला तो बदले हैं सभी,
खो गई है रिश्तों की पहचान।
कल सहारा जो बने थे राह में,
उन्हीं का करते दिखे अपमान।
ईट-पत्थर की हुई ऊँचाइयाँ,
दब गया कहीं ईसान का मान।
दिल के रिश्ते हो गए बेजान,
अब कहीं बाकी कोई अरमान।
याद रख ऐ दिल ज़रा ये बात भी,
नेकी ही है बस सच्चा सम्मान।

शोक से श्लोक तक

नीरव वन की छाया में,
करुणा भरा वह स्वर जागा,
देख क़ौंच का टूटा जोड़ा,
हृदय व्यथा से भर आया ।
वन के उस नि:शब्द प्रहर में,
सँसैं भी थम-सी गईं,
प्रेम में डूबे दो जीवन थे,
आँखें नम-सी हो गईं।
वेदना की उस लहर में,
शब्द स्वयं ही ढल गए,
शोक के उस क्षण से ही,
छंद अमर से बन गए—
मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः।
औंसू बनकर दर्द बहा जो,
वही बना इतिहास,
दुख की उस गहराई में ,
छिपा सृजन का प्रकाश।
एक तीर ने तोड़ा था जो प्रेम भरा वह संसार,
उसी वेदना से जन्मा, महा ग्रंथ का फिर आधार।
वन की हर सरगम पूछे,
क्यों टूटा उसका प्यार,

क्यों निर्य्यता ने छीना,
जीवन का अनमोल उपहार।
वह विलाप, वह तड़प, वह टूटन—शब्दों में ढलती गईं,
हर धड़कन की पीड़ा जैसे,
छंदों में पलती गईं।
करुणा की उस ज्वाला से,
शब्द को मिला आकार,
और जन्मी अमर कथा—रामायण का मिला उपहार।
शोक बना श्लोक वहाँ,
संवेदना से भरा सार,
मानवता को दे गया,
करुणा का अनुपम संसार।
हे मन ! तू भी साथ रहो ,
हर प्रणय के दुःख सुख का भान,
दया ही सच्चा धर्म है,
यही मानव जीवन का अमृत ज्ञान।

आशा भोंसले जी

दे कर अनमोल खजाना अपने हृदय स्पर्शों सुरों का
इस विश्व को,
12 अप्रैल 2026 को कहा अलविदा
आशा भोंसले जी ने जग को,
अपने आत्मविश्वास और हुनर के दम पर ही किया दिलों पर राज,
जीवन में संगीत साधना से कई नायाब पुरस्कारों का पहना ताज ।
चाहे बंद हो नभ की ओर रास्ते सारे
उन्हें अपने पंखों पर था यकीन,
जिवंगी को जिया भी अपनी जिद्द और कला के दम पर
हाँ बेहतरीन,
आशा जी ने संगीत की विधाओं को प्रस्तुत किया अपने ही अंदाज,
बन गयीं उनकी स्वर आराधना
अबों दिलों की पसंदीदा आवाज ।
ईश्वरीय अनंत कृपा उन पर जन्म हुआ था
उनका संगीतज्ञ घराने में,
परवरिश संगीत ने उनकी की रूह में रचा बसा कर उसी जमाने में,
उतरी वो गायकी में दीदी लता जी के साथ घर की जिम्मेदारी लेकर,
अब तक 16,000 से भी अधिक कई भाषाओं में गाएँ गीत जमकर ।
दिलों को आशाएँ देने वाली आशा अब नहीं है
हमारे बीच स्वशरीर से,
पर उनकी जादूई आवाज हमेशा के लिए अमर हुई
रूहानी जमीर से,
उनके आशा रेस्टोरेट में विदेश में ख़ाया था
मैंने भी एक बार खाना,
महसूस किया उनका अद्भुत व्यक्तित्व कैसे बना देता सबको दीवाना ।
प्रार्थना हैं उनकी पाक आत्मा को मिलें ईश आनंद चरणों में स्थान,
ऐसे ही कुछ नेक दिल बंदों पर रब रहता हैं सदा के लिए मेहरबान,
ये नश्वर शरीर त्यागना हैं हम सबको एक न एक दिन
यह तो हैं तय,
पर जो भव्य संगीत देकर होते विदा चिरकाल तक वे पूज्य अजेय ।

श्रृंगार

मानते हैं खाली हाथ आप,
खाली हाथ ही जाना।
पर जन्म-मृत्यु तक श्रृंगार से स्वयं व घर सजाना ।।
जन्मदिन,विवाह,बधाई उत्सव का जब चले सिलसिला,
फोके लगेँ उत्सव,
जब तक उत्सव में न सजावट श्रृंखला,
बिन श्रृंगार दूल्हा दुल्हन अधूरे,
इक दूजे के लिए सजना है तन सजावट जरूरी,
वैसे मन अलंकरण सुंदर करना है,
दिल से मधुर सजे शब्द निकालो,
कटु शब्द दबाना।
मानते हैं खाली हाथ आप,
खाली हाथ ही जाना।
पर जन्म से मृत्यु तक श्रृंगार से स्वयं,घर,सजाना ।।
जब तक जीना मस्त होके जीना,
नैन रखे पाक साफ़,
शत्रु भी मित्र बन जाए,
बहे अलंकृत प्रेम बरसात,
सुसंस्कृत श्रृंगार से सजा लक्ष्य देगा सही आधार।
मानव जीवन मिला समझो प्रभु का बड़ा उपकार ।।
राम नाम की महिमा गाकर सुंदर जीवन बिताना।
मानते हैं खाली हाथ आप,
खाली हाथ ही जाना।
पर जन्म-मृत्यु तक श्रृंगार से स्वयं व घर सजाना ।।



मोनिका डागा, चेन्नई

आंखों के तरकश: नज़रों के तीर

अंखियों के तरकश में छुपे हुए हैं,
नज़रों के बेशुमार तीर और कमान,
हर पल करते हैं वो अचम्भित और करते हैं एक धमाल और कमाल।
कहीं तबस्सुम की चाशनी में भीगी नज़रें,
तो कहीं हैं क़ातिलाना -शायराना नज़रें,
कहीं घायल कर दें,चीर दें दिल को,
और कहीं दे जाएँ मुहब्बत का पैगाम ।।
सूफ़ियाना अंदाज में कहें तो,
असली नजर तो वो है,
जो दुश्मन पर भी, मेहरबान हो,
दरियादिली का फरमान हो।
और सबसे बेहतरीन नज़र वो है,
जो अपने स्वयं की कमियों और ख़ामियों को देख सके,
जो ज़िंदगी जीने का नज़रिया ही बदल सके ।।।
मुमकिन नहीं आंखों के तरकश बंद रखना,
मुमकिन नहीं नज़रों के तीरों को बचाये रखना,
लेकिन खतरा इसमें भी बड़ा ही ख़ोफनाक है छुपा,
क्योंकि लोग तो नज़रों से,
पूरी दिल की किताब पढ़ लेते हैं !

प्यासे पंछी की पुकार

दाना पानी की बौछार।
आई तपाने को गर्मी।
प्यास से सूखे धरती।
प्यासा आलम है सारा।
प्यासे पंछी ने पुकारा।
मुझे भी दाना पानी चाहिए।
गर्मी से मर जाऊंगा मैं।
तुम AC में सोते हो रोज रोज,
ताप सहन न कर पाऊंगा मैं।
भूख प्यास से बेचैन हूँ।
परेशान रहता दिन रैन हूँ।
पहले पानी मिल जाता था।
दाना भी कहीं दिख जाता था।
गर्मी क्या आई है धरती पे।
आफत ही लाई है धरती पे।
हम पे भी दया कर दो।
दाने पानी के चरूप भर दो।
दया करो हम पर भी मानव।
न बनो आलस में दानव।
हम पंछी भी सृष्टि की रचना है।
हमारी कुहू से क्यों बचना है।
तनो पे हम घोंसले बनाते है।
जो आंधी में टूट भी जाते हैं।
अंडे हमारे टूट जाते है।
हम दोबारा घोंसला बनाते है।
हमें हमारे चूजों को दाना देना है।
भूमि पर वो आ नहीं सकते।
हमें अपना कर्तव्य निभाना है।
मानव तुम्हे धर्म निभाना है।

ध्यान

ध्यान मुक्ति का मूल मार्ग,
ध्यान जीवन का महामार्ग
संसार चक्र से मुक्ति दिलाता ,
वासना की धारा से मुक्ति दिलाता
व्यक्ति की संवेदनशीलता का विकास होता,
उसका मन उज्ज्वल और निर्मल होता
ध्यान प्रतिभा को जगा सकता,
उर्वरा भूमि पर धीरजता के फूल खिला सकता ,
व्यक्ति मन से शांत अविचल रहता,
सजगता से अपने कार्यों को संपादित करता ,
दुनिया में अध्यात्म के जितने आयाम,
ध्यान उसमें सबसे सहज, सरल, आसान
साधना के जितने भी मार्ग,
उस मे मुख्य हैं ध्यान का मार्ग,
उस मे मुख्य हैं ध्यान का मार्ग ।



डॉ राजीमा मंज़ारी हैदराबाद



रेणुका अय्यवाल हैदराबाद



डॉ हेमंत सुरणा, उदयपुर



मुझे चलते-फिरते बात करने की अजीब आदत : कृति सेनन

चलते-फिरते बात करने की आदत मुझे जैसे ही मैं कोई कोई कॉल हमेशा से रही है। जैसे ही उठाती हूं, मैं बस चलना शुरू कर देती हूं। कृति सेनन ने हाल ही में बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी राय दी। उसने माना कि उसके करियर में कई बार ऐसा हुआ जब उसे किसी स्टार किड के लिए हटया गया। उसके अनुसार, स्टार किड्स के लिए इंडस्ट्री के दरवाजे जल्दी खुल जाते हैं और मौके आसानी से मिलते हैं, लेकिन आखिर में कलाकार का हुनर ही उसे आगे ले जाता है।

उसने बताया कि उसका खुद का कोई फिल्मी कनेक्शन नहीं था, इसलिए शुरुआत में उसे मुंबई में खुद को खोया हुआ महसूस करना लाजमी था। हालांकि, पहली फिल्म से ही इंडस्ट्री ने उसका स्वागत किया और उसे अपनाया। उसने यह भी कहा कि नेपोटिज्म हर फील्ड में है, लेकिन मेहनत करने वाले देर-सवेर अपनी मंजिल पा ही लेते हैं।

उसने साफ किया कि अगर उसका बच्चा एक्टिंग में आए, तो रास्ते आसान होंगे, लेकिन लंबी रेस का घोड़ा वही बनता है, जिसमें का बि लि य त होती है। आखिर मैंने भी यह दर्शक तय करते हैं कि कौ न सु प र र टा र

बनेगा।

उसने कहा, मैं किसी भी फिल्म फैमिली से नहीं आती और मेरा इंडस्ट्री में कोई कनेक्शन नहीं था लेकिन पहली फिल्म के साथ ही मेरा इंडस्ट्री ने मुझे प्यार दिया जिसके लिए मैं आभारी हूं। नेपोटिज्म हर क्षेत्र में है लेकिन हमारे वाले (फिल्म इंडस्ट्री) बरे में बात करना आसान है। फिर भी अगर आप मेहनत करेंगे तो थोड़ा वक्त लगेगा उन अवसरों के लिए जिन्हें आप चाहते हैं लेकिन आपको वह जरूर मिलेगा। बस लगे रहें और हार न मानें।

शादी पर बोली एक बातचीत के दौरान अपनी शादी की

अफवाहों पर भी उसने बात की। उसकी शादी कब तक होगी, यह सवाल पूछे जाने पर कृति ने चुटकी लेते हुए कहा, इक्या आप वह चाची जी हैं जो पूछती रहती हैं कि मैं शादी कब कर रही हूं ? अरे यार, जिंदगी में शादी से ज्यादा जरूरी चीजें भी हैं। मुझे नहीं पता, मैं तब शादी करूंगी जब मुझे लगेगा कि मैं तैयार हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी जल्दबाजी में हूं।

अगली फिल्म

कृति ने बॉक्स ऑफिस पर कई हिट फिल्में दी हैं। जल्द ही वह 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

फिटनेस का राज

35 साल की उम्र में कृति बॉलीवुड में एक पॉपुलर फिटनेस आइकन है। हालांकि, वह हमेशा से इतनी बड़ी फिटनेस प्रीक नहीं रही है। नई दिल्ली के एक पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाली कृति ने बताया कि वह घर पर रहते हुए कभी वर्कआउट नहीं करती थी। उसे किसी ऐसी चीज की जरूरत थी जो उसे फिटनेस को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करे।

उसने कहा, मेरा कोई न कोई लक्ष्य होना चाहिए। अगर मुझे किसी खास तरह का दिखना है... जैसे 'शक्ता' के समय, मैंने बहुत जोरदार वर्कआउट करना शुरू कर दिया था। मुझे एक खास तरह का दिखना था। उस फिल्म में पुनर्जन्म वाला एक हिस्सा था। तभी मैंने सच में वर्कआउट करना शुरू किया... मुझे समझ आया कि मेरे लिए क्या अच्छा है और क्या नहीं।

हालांकि, उससे पहले भी उसकी एक अजीब लेकिन हैल्दी आदत थी, जिसके बारे में उसका मानना ​​है कि उसने उसे फिट रहने में मदद की - वह थी पैदल चलना। जैसा कि कई युवा खुद को इस आदत से खुद को जोड़कर देख सकते हैं-कृति को पैदल चलने की आदत थी, खासकर फोन पर बात करते समय।

उसके शब्दों में, “मेरी एक आदत जो हमेशा से रही है - वह है चलते-फिरते बात करना। जैसे ही मैं कोई कॉल उठाती हूं, मैं बस चलना शुरू कर देती हूं। कई बार तो ऐसा होता है कि मेरे मम्मी-पापा को आकर कहना पड़ता है- बैठ जाओ!

'एक्शन' से कठिन है 'इमोशनल': सैयामी खेर



फिल्म इंडस्ट्री को 'घूमर' जैसी बेहतरीन फिल्में दे चुकी सैयामी खेर अपनी अगली फिल्म को लेकर उत्साहित है। इस सोशल ड्रामा का नाम अभी तय नहीं किया गया है। शूटिंग में व्यस्त सैयामी का मानना ​​है कि स्क्रीन पर कमजोरी और भावनात्मक पक्ष दिखाना शारीरिक रूप से मुश्किल रोल निभाने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है।

सैयामी की यह फिल्म विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही है जिसमें वह अपने विनम्र और भावनात्मक पक्ष को दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में रोल “प्रियदर्शन हाल ही में सैयामी ने इन स्टार्स और प्रियदर्शन के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, की 'हैवान' ने मुझे कई नए अनुभव दिए। यह प्रियदर्शन सर, अक्षय सर और सैफ सर के साथ मेरी पहली फिल्म है। इस शैली में भी यह मेरा पहला अनुभव है इसलिए मैं

इस फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेट हूं।

उसने कहा, प्रियदर्शन सर के साथ काम करना स्पष्टता का एक बेहतरीन अनुभव था। 99 फिल्मों का निर्देशन कर चुके प्रियदर्शन का अनुभव सैट पर एक अलग शांति और सटीकता लाता है। किसी ऐसे व्यक्ति को देखना अद्भुत है जो ये जानते हैं कि हर दिन उसे कैसे काम करना है।

सैयामी के साथ ताहिर राज भसीन भी मुख्य सैयामी ने हाल ही भूमिका में है। में प्रियदर्शन सैयामी ने हालिया बातचीत में बताया कि वह इस फिल्म का हिस्सा क्यों बनी और इसमें अपने किरदार को लेकर उसे क्या बात सबसे निर्देशित एक्शन पसंद आई।उसने बताया, “मैंने अब तक ज्यादातर ऐसे किरदार निभाए हैं जो फिजिकली बहुत थ्रिलर 'हैवान' की डिमांडिंग थे। उन रोल्स ने मुझे एक एक्ट्रेस के तौर पर काफी मजबूत बनाया लेकिन यह सर के साथ मेरी पहली फिल्म है। यह ज्यादा सॉफ्ट, ज्यादा इमोशनल है और बाहर के एक्शन के बजाय अंदरूनी

भूल भुलैया जैसी उम्मीद देकर अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की जोड़ी ने किया निराश

डर-कॉमेडी में अधूरापन, कहानी और म्यूजिक भी बेअसर

मूवी रिव्यू

शुरू हो जाती हैं। इसी दौरान अर्जुन के सामने कई पुराने राज खुलते हैं और उसे पता चलता है कि मीरा ही वधुसुर के निशाने पर

इस्तेमाल कुछ जगह असरदार है, लेकिन डर का माहौल लगातार नहीं बन पाता।

VFX कई जगह कमजोर और बनावटी लगता है, जिससे फिल्म का प्रभाव कम हो जाता है। डायलॉग्स औसत हैं और कॉमिक पंच कई बार ऐसे लगते हैं जैसे पहले से सुने हुए हों, जिससे हंसी कम और निराशा ज्यादा होती है। कुल मिलाकर निर्देशन में वो धार और कसावट नहीं दिखती, जिसकी इस जोड़ी से उम्मीद की जाती है।

कैसा है फिल्म का म्यूजिक?
फिल्म का म्यूजिक इसका सबसे कमजोर पक्ष है। भूल भुलैया के गाने आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन भूत बंगला का एक भी गाना ऐसा नहीं जो थिएटर से बाहर निकलने के बाद याद रह जाए।

फाइनल वर्डिक्ट:फिल्म देखें या नहीं?

भूत बंगला एक ऐसी फिल्म है जो भूल भुलैया की याद दिलाती है, लेकिन उस स्तर का मनोरंजन नहीं दे पाती। कमजोर स्क्रीनप्ले, फीका म्यूजिक और औसत अभिनय इसे पूरी तरह असरदार बनने से रोक्ते हैं।

अगर आप हल्की-फुल्की हॉरर-कॉमेडी और राजपाल यादव की कॉमेडी के लिए फिल्म देखना चाहते हैं, तो एक बार देख सकते हैं।

मैं तिलोत्तमा शोम, शोफाली शाह, आलिया भट्ट और कोंकणा सेन शर्मा जैसी कई और अभिनेत्रियों के साथ भी काम करना चाहती हूं: जोयिता दत्ता

हमेशा से करनी थी एक्टिंग : 'जोयिता दत्ता'
पूर्वोत्तर भारतीय राज्य असम से संबंध रखने वाली जोयिता दत्ता ने एक्टिंग में आने के लिए कोई पारंपरिक रास्ता नहीं चुना। हालांकि, उसे हमेशा से पता था कि कला जगत ही उसके लिए 'सुरक्षित जगह' है, फिर भी उसने अपने करियर की शुरुआत कॉर्पोरेट जगत में की और उसके बाद ही उसने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर पूरी तरह अभिनय की दुनिया में उतरने का फैसला किया।

इसी बदलाव की वजह से उसे आदिल हुसैन से ट्रेनिंग लेने का मौका मिला, और आखिरकार उसे 'ए स्यूटेबल व्वाय' और मीरा नायर के साथ 'मानसून वैडिंग' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिला।

एक्टिंग के प्रति अपने जुनून का एहसास उसे कब हुआ, पर उसने कहा, “मुझे हमेशा से पता था कि मैं एक्टिंग करना चाहती हूं। बड़े होते हुए, परफॉर्म करना मुझे पसंद था लेकिन जिस चीज को आप पसंद करते हैं, उसे जानने

औ र उ से अपनी रो जी - रो टी ब ना ने के बीच के फासले को पा ट ने के लिए, दोनों के बीच काफी तालमेल बिठाना पड़ता है।



हमारी शिक्षा व्यवस्था और जिन ढांचों में हम रहते हैं, वे हमें कुछ तयशुदा चीजें करने के लिए तैयार करते हैं; इसलिए मैंने भी यह सोचकर वे सब चीजें कीं कि यही सही है लेकिन मेरी अंतरात्मा चाहती थी कि

हमारी शिक्षा व्यवस्था और जिन ढांचों में हम रहते हैं, वे हमें कुछ तयशुदा चीजें करने के लिए तैयार करते हैं; इसलिए मैंने भी यह सोचकर वे सब चीजें कीं कि यही सही है लेकिन मेरी अंतरात्मा चाहती थी कि

हमारी शिक्षा व्यवस्था और जिन ढांचों में हम रहते हैं, वे हमें कुछ तयशुदा चीजें करने के लिए तैयार करते हैं; इसलिए मैंने भी यह सोचकर वे सब चीजें कीं कि यही सही है लेकिन मेरी अंतरात्मा चाहती थी कि

'गुल्लू' से बढ़ी गांव की उम्मीद !

मुंगेर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। 'सम्राट चौधरी हमेशा युवाओं के बारे में सोचते हैं। बिहार में पलायन एक बड़ी समस्या है। उस पर वे ध्यान देंगे। हम लोग चाहते हैं कि रोजगार बढ़े। लोगों को पलायन करना नहीं पड़े।' उपरोक्त बातें बिहार के मुंगेर जिले के तारापुर इलाके के लखनपुर गांव के एक युवा ने कही।

इस युवा की आंखों में अन्य बेरोजगार युवाओं की तरह सपने तैर रहे हैं। ये नहीं चाहता कि मुंगेर के एक गांव से निकलकर वो दिल्ली और मुंबई में जाकर मजदूरी करे। कुल मिलाकर यही हाल गांव की महिलाओं का भी है। जिस दिन सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उस दिन लखनपुर गांव में पटाखे फोड़े गए। सम्राट के सीएम बनने से गांव के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। अब वे अपने को काफी खास मानते हैं।

जानकारी के मुताबिक सम्राट चौधरी को बचपन में गांव के लोग गुल्लू के नाम से जानते थे। बचपन में सब उन्हें गुल्लू- गुल्लू कहकर बुलाते थे। मौडिया

कथारा कोलियरी में धनबाद सीबीआई का बड़ा एक्शन रिश्वत लेते कार्मिक प्रबंधक और झामुमो नेता रंगे हाथ गिरफ्तार

बेकोरो, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलियारियों में अधिकारी और मजदूर संगठन चलाने वालों का गठजोड़ कैसे कर्मचारियों अथवा उनके आश्रितों को परेशान करते हैं, कैसे उन्हें नाजायज पैसा देने के लिए बाध्य किया जाता है, इसका खुलासा कथारा क्षेत्र में हुआ है। अधिकारी तो अधिकारी झामुमो का नेता भी अरेस्ट हो गया है। यह सब खुलासा धनबाद सीबीआई की टीम के छापे के बाद हुआ है।

बताया जाता है कि सीबीआई की धनबाद टीम ने कथारा कोलियरी के कार्मिक प्रबंधक सुभाष चंद्र पासवान तथा कथित बिचौलिया झामुमो के बेकोरो जिला कार्यकारिणी सदस्य सह हिंद मजदूर किसान पंचायत के क्षेत्रीय सचिव शमशुल हक को 30000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ

सड़क किनारे बैठे लोगों को कार ने रौंदा, 1 की मौत, 3 घायल

हादसे के बाद हंगामा, पुलिस की गाड़ी पर पथराव, सड़क जाम



गिरिडीह, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह में तेज रफ्तार कार ने बेकाबू होने के बाद सड़क किनारे बैठे लोगों को रौंद दिया। कार लोगों पर चढ़ते हुए सड़क के दूसरी ओर केले के पौधे से सटककर रुक गई। यह हादसा गावां थाना क्षेत्र में गावां-सतगावां मेन रोड पर जोड़ासिमर गांव के पास हुआ।

इस दर्दनाक घटना में जोड़ासिमर निवासी 50 वर्षीय

बीजेपी विधायक के बेटे ने थार से 5 को कुचला

शिवपुरी, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में सता की हनक का एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी ने अपनी तेज रफ्तार थार कार से 5 लोगों को रौंद दिया। लेकिन घटना के दो दिन बाद भी सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि अस्पताल में भर्ती घायलों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। पीड़ितों का आरोप है कि इलाज का भारी-भरकम खर्च वे वहन नहीं कर पा रहे हैं और न ही विधायक या उनके बेटे की ओर से कोई सहयोग मिला है।

घटना के वक्त थार कार पर

सम्राट चौधरी महिला सुरक्षा और रोजगार पर दें ध्यान



रिपोर्टर के मुताबिक सम्राट चौधरी के सीएम बन जाने के बाद उनकी चचेरी बन ने पत्रकारों को बताया कि गांव के लिए बहुत बड़ी बात है। हम लोग जिसे गुल्लू कह कर बुलाते थे। अब वो मुख्यमंत्री बन गया है। उन्होंने डिमांड करते हुए कहा कि अब उसे गांव पर ध्यान देना होगा। उसके अलावा महिला सुरक्षा पर काम करना होगा। बिहार में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो इस पर ध्यान देना होगा। स्थानीय लोगों ने कहा कि मुंगेर का उतना विकास नहीं हुआ

है। उस पर भी उन्हें ध्यान देना होगा। गांव की महिलाओं ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। इसे रोकना होगा। उन्हें पुलिस को आदेश देना होगा कि गांव में भी पेट्रोलिंग करे।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि महिलाएं और बच्चियां बिना डर के घर से बाहर निकले। अपना काम करें। रोजगार करें। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। उनकी मांग ये भी थी कि गांव आएँ, यहां का भी कुछ

सारंडा में 40 घंटे चली मुठभेड़ थमी, अब सर्व अभियान

चाईबासा, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। चाईबासा के सारंडा के चड़राडेश इलाके में बुधवार से शुरू हुई सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ करीब 40 घंटे बाद थम गई है। शुक्रवार को तीसरे दिन गोलीबारी नहीं हुई, लेकिन इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। इस लंबी कार्रवाई ने कई बड़े और नामी नक्सलियों को दबाव में ला दिया है। आलम यह है कि कभी ग्रामीणों को डरा-धमका कर अपनी स्थिति नक्सलियों ने मजबूत की थी, वहीं आज वे उन्हीं ग्रामीणों से मदद मांग रहे हैं।

इधर, मुठभेड़ के पहले दिन बुधवार को सुबह करीब 8 से 8:30 बजे के बीच सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों की नक्सलियों से आमने-सामने मुठभेड़ शुरू हो गई। शुरुआती फायरिंग के साथ ही आईईडी ब्लास्ट भी हुए, जिसमें कोबरा

विकास होना चाहिए। बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे प्रदेश में जाना नहीं पड़े इसका भी उन्हें ख्याल रखना होगा।

ध्यान रहे कि गुल्लू के गांव की महिलाओं का साफ मानना है कि सबसे पहले बिहार में महिला सुरक्षा की दिशा में बेहतर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब गांव का लड़का जब बिहार के मुख्यमंत्री के जिम्मेदारी वाले पद पर पहुंचा है, तब उसे काम करना होगा।

गांव की बेहतरी के लिए बिहार के गांवों की बेहतरी के लिए उसके अलावा बिहार की बेहतरी के लिए काम करना होगा।

उन्होंने ये भी कहा कि गांव ही नहीं पूरा जिला सम्राट चौधरी पर गर्व कर रहा है। उन्हें गांव और जिले के नाम को और आगे ले जाना होगा। उन्हें बिहार में विकास की वो धारा बहानी होगी, जिसे नीतीश कुमार ने शुरू किया। अब इनकी जिम्मेदारी है, उसे आगे लेकर चले।

सारंडा में 40 घंटे चली मुठभेड़ थमी, अब सर्व अभियान

कभी ग्रामीणों को डराते थे, अब नक्सली ही मांग रहे मदद, निशाने पर बड़े नक्सली



बटालियन के दो अधिकारियों सहित कुल पांच जवान घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल चार जवानों को तुरंत एयरलिफ्ट कर रांची भेजा गया। पूरे दिन रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। सुरक्षा बल इलाके में दबाव बनाए रखने के लिए ऑपरेशन जारी रखे रहे।

गुरुवार को सुबह होते ही सुरक्षा बलों ने फिर से सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया। इस दौरान एक और

यूपी में सीजन का सबसे गर्म दिन, पारा 45.4C

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में शनिवार को गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। कई जिलों में तापमान 45°C के पार पहुंच गया। सुबह से ही तेज धूप के साथ लू चलती रही। शुक्रवार को बांदा में अधिकतम तापमान 45.4°C दर्ज किया गया, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा रहा।

इस बार गर्मी ने सामान्य से करीब 10 दिन पहले ही अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले साल 27 अप्रैल को पहली बार तापमान 45°C के पार पहुंचा था, जबकि इस बार यह स्थिति अप्रैल के मध्य में ही बन गई।

शांसी समेत 17 जिलों में अधिकतम तापमान 40°C या उससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी और प्रयागराज में बढ़ती गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। वाराणसी में क्लासेज सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक और प्रयागराज में सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेंगी। गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथी 'गंगा प्रसाद' को बार-बार नहलाया गया।

एबीवीपी का शैक्षणिक कुव्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन

छात्र हितों की अनदेखी पर तालाबंदी की चेतावनी विभावि प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

हजारीबाग, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) में शैक्षणिक कुव्यवस्था और छात्र हितों की अनदेखी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने 'छात्र हुंकार' धरना प्रदर्शन किया।

इस एक दिवसीय प्रदर्शन में विश्वविद्यालय और विभिन्न कॉलेजों से सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान परिसर में सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

धरने को संबोधित करते हुए एबीवीपी नेताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। छात्रों का मुख्य विरोध विश्वविद्यालय के विरलंबित शैक्षणिक सत्र को लेकर था। वक्ताओं ने कहा कि सत्र में देरी



के कारण विद्यार्थियों का भविष्य अनिश्चित है।

इसके अतिरिक्त, परिसर में पेयजल, पुस्तकालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी पर भी छात्रों ने रोष व्यक्त किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें डिग्री प्राप्त करने के लिए भटकना पड़ता है और बुनियादी सुविधाओं के नाम पर केवल आश्वासन मिलते हैं। एबीवीपी के नगर मंत्री साहिल कुमार ने चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यह धरना केवल एक

सांकेतिक विरोध है। यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने समय रहते शैक्षणिक कुव्यवस्था को ठीक नहीं किया और छात्रों की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय में पूर्ण तालाबंदी करने की भी चेतावनी दी।

धरना प्रदर्शन के बाद, परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति को विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपेगा।

वाइट टाइगर राणा–सिंघम को दिया गया शॉवर मैत्रीबाग में केज में लगाए गए कूलर, हीटवेव से बचाने के लिए किए जा रहे इंतजाम

दुर्ग-भिलाई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गर्मी तेजी से बढ़ रही है और पारा 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। ऐसे में जहां लोग गर्मी से परेशान हैं, वहीं चिड़ियाघर के जानवरों को भी राहत देने के लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं।

भिलाई के मैत्रीबाग में प्रबंधन ने जानवरों को हीटवेव से बचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। मैत्रीबाग में इस समय 5 सफेद बाघ हैं। सभी को गर्मी से राहत दिलाने के लिए विशेष इंतजाम बीएसपी प्रबंधन कर रहा है।

मैत्रीबाग में सबसे ज्यादा ध्यान सफेद बाघों पर दिया जा रहा है। ये बाघ यहां की खास पहचान हैं और गर्मी में अधिक संवेदनशील भी होते हैं। शनिवार को बाघ राणा और सिंघम को शॉवर दिया गया। उन्हें राहत देने के लिए दोपहर के समय बाड़े में शॉवर चलाया जा रहा है। प्रबंधन ने बाघों के बाड़े में कूलर भी लगाए हैं। वहीं अन्य बाड़ों में भी हाई पावर कूलर लगाए जा रहे हैं, ताकि अंदर का माहौल ठंडा रखा जा सके। कोशिश की



जा रही है कि जानवरों को ऐसा वातावरण मिले, जैसा जंगल में पेड़ों की छांव और नमी से मिलता है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी कूलर लगाए गए थे, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण उन्हें हटा दिया गया था। अब जल्द ही दोबारा कूलर लगाने की तैयारी की जा रही है।

गर्मी अभी और बढ़ने की संभावना है, ऐसे से आने वाले दिनों में अतिरिक्त इंतजाम किए जा सकते हैं। फिलहाल, प्रबंधन की कोशिश है कि चिड़ियाघर में रहने वाले हर जानवर को इस तेज गर्मी से राहत मिल सके। सिर्फ बाघ ही नहीं, बल्कि अन्य जानवरों के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। सभी बाड़ों में पानी के बर्तन दिन में कई बार भरे जा रहे हैं, ताकि पानी की कमी न हो।

अफेयर के शक में बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को मार–डाला

दुर्ग-भिलाई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बॉयफ्रेंड ने गला घोटकर अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। उसे शक था कि, प्रेमिका का किसी दूसरे के साथ अफेयर चल रहा है।

इस बात पर दोनों का विवाद हुआ और गुस्से में आकर कार्तिक कि मशीनों के रखरखाव और संचालन में लापरवाही बरती गई। एसपी के निर्देश पर एसपी पंकज पटेल के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है, जो पूरे मामले की जांच कर रही है। विभाग के अनुसार, हादसा 14 अप्रैल को दोपहर 2:33 बजे हुआ। उस समय 2028 टीपीएच क्षमता वाले विशाल वाटर द्यूब बॉयलर में फर्नेस प्रेशर (भट्ठी का दबाव) तेजी से बढ़ा। यह दबाव 1 से 2 सेंकेंड के अंदर बढ़ा, जिससे सिस्टम को बंद करना या किसी तकनीकी खराबी को रोकना संभव नहीं था। दबाव इतना तेज था कि अंदरूनी विस्फोट हुआ और इसकी चपेट में बाहरी पाइपलाइन भी आ गई।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ जालौन में महिलाओं का उग्र प्रदर्शन प्रशासन ने 78 लोगों पर दर्ज किया मुकदमा

जालौन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और यहां पर पुरुष समेत कई महिलाएं भी सड़कों पर उतर आईं। इसके बाद विरोध प्रदर्शन जताते हुए सड़कों पर जाम लगा दिया। इस भीड़ के द्वारा किए गए उपद्रव के बाद प्रशासन ने काफी सख्त रवैया अपनाते हुए सभासद समेत 18 नामजद और 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला प्रशासन का साफतौर पर कहना है कि कानून को हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दरअसल, जालौन जिले के माधौगढ़ तहसील में बीते बुधवार



को लक्ष्मनपुरा, पटेल नगर, मालवीय नगर और उत्तरी मालवीय नगर के करीब एक सौ उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने बिजली निगम द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटरों को घरों से

उखाड़कर सीधे चितौरा चौराहे और सिहारी चौराहे पर पटक दिया और सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि माधौगढ़-रामपुरा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया।



सीमेंट 'किंग' की रस में कुमारमंगलम बिड़ला ने लगाई लंबी छलांग, गौतम अडानी की कंपनी दूसरे नंबर पर



नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। सीमेंट को कीमत में हाल में काफी तेजी आई है और यह एक साल के हाई पर पहुंच चुकी है। इसकी वजह यह है कि पश्चिम एशिया में लड़ाई की वजह से एनर्जी और फ्रेट कॉस्ट बढ़ी है। माना जा रहा सीमेंट की कीमत में आगे भी तेजी आने की संभावना है।

इस बीच अल्ट्राटेक सीमेंट की सालाना क्षमता 200 मिलियन टन के पार पहुंच गई है। यह चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। इसकी कैपेसिटी अमेरिका से करीब दोगुनी है और यूरोपियन यूनियन की कुल क्षमता से ज्यादा है। कंपनी ने शुक्रवार को तीन ग्राइंडिंग यूनिट्स को कमीशन किया। इनकी कुल क्षमता 8.7 मिलियन टन है।

अल्ट्राटेक को 100 मिलियन टन की क्षमता तक पहुंचने के लिए बिड़ला ग्रुप को 36 साल लगे थे।

देश में रसोई गैस की आपूर्ति सामान्य एक दिन में 50 .5 लाख से ज्यादा गैस सिलेंडर की आपूर्ति

नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट संकट के बावजूद देश में रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को देशभर में 50.5 लाख से अधिक घरेलू गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं तक पहुंचाए गए। मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक 4.68 लाख पाइप से गैस (घरेलू पाइप गैस) कनेक्शन चालू किए गए हैं और 5.23 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। लोगों को पाइप गैस और बिजली या इंडक्शन चूल्हों जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्यों को भी घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए नए पाइप गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग अब करीब 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त सत्यापन कोड के जरिए होने वाली आपूर्ति लगभग 93 प्रतिशत हो गई है, जिससे गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाने में मदद मिल रही है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्वाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की घबराहट में खरीदारी न करें, अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। उपभोक्ताओं से डिजिटल माध्यमों के जरिए बुकिंग करने और वितरकों के पास जाने से बचने को भी कहा गया है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त



भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियां से स्थानीय रसोई गैस उत्पादन बढ़ाया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने निगरानी बढ़ाते हुए 255 गैस वितरकों पर जुर्माना लगाया है, जबकि 65 वितरकों की लाइसेंसिंग निलंबित की गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू रसोई गैस, पाइप गैस और वाहनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। व्यावसायिक रसोई गैस में अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही औषधि, इस्पात, वाहन, बीज और कृषि जैसे क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति को भी दोगुना कर दिया गया है। सरकार ने आपूर्ति और मांग के संतुलन के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना, तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है।

अमेरिका-ईरान शांति सकेतों के बीच इस हफ्ते कैसा रहा बाजार ? जानें सेंसेक्स-निफ्टी का हाल

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक संकेतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी शांति वार्ता की उम्मीदों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार को मजबूत सहारा दिया। रुपए में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से निवेशकों का भरोसा बढ़ा, जिसके चलते बाजार में व्यापक खरीदारी देखने को मिली।हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 504.86 अंक यानी 0.65 फीसदी की बढ़त के साथ 78,493.54 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 156.80 अंक या 0.65 फीसदी चढ़कर 24,353.55 के स्तर पर बंद हुआ। सेक्टरल स्तर पर लगभग सभी इंडेक्स में तेजी रही। बाजार ब्रोकिंग रिसर्च के मुताबिक, पूरे सप्ताह बाजार का रुख सकारात्मक बना रहा। खासतौर पर एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में एक से तीन फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि आईटी सेक्टर अपेक्षाकृत

कंपनी के यूएई, बहरैन और श्रीलंका में भी प्लॉट है। बिड़ला ने कहा कि कंपनी फाइनैशियल ईयर 2028 तक अपनी कैपेसिटी को बढ़ाकर 240 मिलियन टन पहुंचाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए 16,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी की दो-तिहाई सेल ग्रामीण इलाकों में है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने तीन नई यूनिट को कमीशन किया। इन तीनों प्लॉट की कुल कैपेसिटी 8.7 मिलियन टन है। इससे कंपनी की क्षमता 200 मिलियन टन के पहुंच जाएगी 2028 तक इसे बढ़ाकर 240 मिलियन टन पहुंचाने का लक्ष्य **अडानी ग्रुप का सीमेंट बिजनेस** इस बीच देश के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की कंपनी अडानी सीमेंट ने फाइनैशियल ईयर 2028 तक 140 मिलियन टन तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। अडानी ग्रुप में तीन कंपनियां अंबुजा सीमेंट्स, एसीसी और सांघी माल्ट्रीस्टोन हासिल नहीं किया है। कंपनी की नई यूनिट उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, झारखंड के पतरातू और आंध्र प्रदेश के वाइजाग में है। **बिड़ला वर्सेज अडानी** अल्ट्राटेक ने मार्च 2027 तक 200 मिलियन टन तक पहुंचने का लक्ष्य रखा था लेकिन वह एक साल पहले ही इस टारगेट पर पहुंच गई।



भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियां से स्थानीय रसोई गैस उत्पादन बढ़ाया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने निगरानी बढ़ाते हुए 255 गैस वितरकों पर जुर्माना लगाया है, जबकि 65 वितरकों की लाइसेंसिंग निलंबित की गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू रसोई गैस, पाइप गैस और वाहनों के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। व्यावसायिक रसोई गैस में अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही औषधि, इस्पात, वाहन, बीज और कृषि जैसे क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति को भी दोगुना कर दिया गया है। सरकार ने आपूर्ति और मांग के संतुलन के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना, तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है।

भारत के लिए खुशखबरी : एक महीने और खरीद सकेंगे रूसी तेल

ट्रंप प्रशासन ने बढ़ाई छूट, जानें कैसे होगा फायदा ?

वॉशिंगटन,18 अप्रैल(एजेंसियां)। वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल के बीच भारत के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीद पर लगी छूट को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पहले इस छूट को आगे न बढ़ाने के संकेत दिए गए थे। अब इस कदम को ट्रंप प्रशासन का बड़ा यू-टर्न माना जा रहा है।

16 मई तक बढ़ाई गई छूट

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने देर रात नया लाइसेंस जारी कर बताया कि अब देशों को 16 मई तक समुद्री मार्ग से रूसी तेल को खरीदने की अनुमति होगी। इससे पहले यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हो चुकी थी। हालांकि, इस लाइसेंस में ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से संबंधित किसी भी लेन-देन को शामिल नहीं किया गया है।

इस फैसले का मकसद वैश्विक स्तर पर बढ़ती ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करना है, खासकर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इससे पहले अमेरिका ने 5 मार्च से भारत सहित कुछ देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी राहत दी थी। बाद में यह छूट अन्य देशों तक भी बढ़ाई गई थी, जिसकी अवधि 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी।

भारत को कैसे होगा फायदा ?

इस फैसले से भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने में आसानी होगी। भारत पहले ही रूस से बड़े पैमाने पर तेल आयात कर रहा है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने भरोसा दिलाया है कि रूस भारत



को कच्चा तेल, एलपीजी और एलएनजी की सप्लाई और बढ़ाएगा। उन्होंने भारत को एक विश्वसनीय साझेदार बताया। एक यूरोपीय थिंक टैंक के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में रूस से भारत का कच्चे तेल का आयात तेजी से बढ़ा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में भारत ने रूस से 5.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा, जो फरवरी के 1.54 अरब डॉलर की तुलना में तीन गुना से अधिक है। मार्च 2022 के बाद से, नई दिल्ली रूसी तेल के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरी है। 2024 में, भारत ने रूस से प्रतिदिन लगभग 20 लाख बैरल तेल खरीदा, जबकि पिछले साल यह आयात लगभग 44 अरब डॉलर का था।

अमेरिकी सांसदों की नाराजगी

हालांकि, अमेरिका के इस फैसले पर कुछ अमेरिकी सांसदों ने कड़ी नाराजगी जताई है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने पहले कहा था कि अमेरिका रूसी तेल के लिए दी गई छूट को नवीनीकृत नहीं करेगा। सांसदों का तर्क था कि इस तरह की छूटों से ईरान और रूस जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं को फायदा पहुंच सकता है, खासकर जब रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.82 अरब डॉलर बढ़कर 700 अरब डॉलर के पारः आरबीआई



नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का फॉरेक्स रिजर्व 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 700.946 अरब डॉलर हो गया है।

यह बढ़त पिछले सप्ताह की तेजी के बाद आई है, जब 3 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर हो गया था। बता दें कि इस साल फरवरी के आखिर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद पश्चिम एशिया में

आईसीआईसीआई बैंक की छप्परफाड़ कमाई

मुनाफा 13 हजार करोड़ के पार, डूबते कर्ज भी हुए कम

नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं। मार्च में खत्म हुई इस आखिरी तिमाही में बैंक के मुनाफे ने शानदार छलांग लगाई है। बैंक ने इस दौरान 13,702 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल ठीक इसी समय यह आंकड़ा 12.629 करोड़ रुपये था। यानी, सोधे तौर पर मुनाफे में 8. 5 प्रतिशत का उछाल आया है। वहीं, अगर बैंक की कुल आमदनी पर नजर डालें, तो यह 50,584 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले साल की समान तिमाही के 49,690 करोड़ रुपये के मुकाबले 1.8 प्रतिशत अधिक है। इतनी बड़ी रकम का सीधा मतलब है कि बैंक का कारोबार लगातार और तेजी से फैल रहा है।

बैंक की असली कमाई में जोरदार उछाल किसी भी बैंक की असली ताकत उसकी शुद्ध ब्याज आय से नापी जाती है। यह वह रकम है, जो बैंक ग्राहकों को दिए गए कर्ज पर ब्याज से कमाता है और जमाकर्ताओं को उठते पैसے पर ब्याज चुकता है, इन दोनों का अंतर ही बैंक की असली कमाई होती है। इस मोर्चे पर भी बैंक ने 8. 4 प्रतिशत की शानदार बढ़त हासिल की है। मार्च तिमाही में बैंक का एनआईआई 22,979 करोड़

रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी समय 21,193 करोड़ रुपये था। बैंकिंग सेक्टर में सबसे बड़ा डर डूबते कर्जों यानी एनपीए का होता है। आईसीआईसीआई बैंक ने यहां भी बाजी मारी है। बैंक का शुद्ध एनपीए अनुपात 31 मार्च 2026 को पटकतर महज 0.33 प्रतिशत रह गया है, जो एक साल पहले 31 मार्च 2025 को 0. 39 प्रतिशत था। एनपीए घटने का सीधा सा अर्थ यह है कि बैंक ने जिन लोगों या कंपनियों को लोन दिया था, वे समय पर अपना पैसा चुका रहे हैं। एक आम ग्राहक के नजरिए से यह बहुत बड़ी राहत की बात है। डूबता हुआ कर्ज कम होने से बैंक की सेहत अच्छी रहती है और आपका जमा पैसा भी पूरी तरह सुरक्षित रहता है। बैंक ने कर्ज बांटने के मामले में भी रफ्तार पकड़ी है। बैंक द्वारा दिए गए कुल एडवॉंस (कर्ज) में सालाना आधार पर 15. 8 प्रतिशत और पिछली तिमाही के मुकाबले 6. 0 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 31 मार्च 2026 तक यह आंकड़ा बढ़कर 15,53,893 करोड़ रुपये हो गया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बैंक ने आम लोगों (रिटेल ग्राहकों) को जमाकर लोन दिया है। रिटेल लोन पोर्टफोलियो में सालाना आधार पर 9. 5 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 4. 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कैबिनेट का बड़ा फैसला, 24815 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट मंजूरी और आंध्र प्रदेश में बिछेगा 601 किमी का नया जाल

नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने शनिवार को 24,815 करोड़ रुपये की लागत वाली दो बड़ी रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लिया गया। इन परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा। दोनों प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 601 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।



सरकार का लक्ष्य इन्हें 2030-31 तक पूरा करने का है। ये दोनों परियोजनाएं पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत लाई गई हैं, जिसका उद्देश्य मल्टीमोडल कनेक्टिविटी और तेज लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है।

स्वतंत्र वार्ता,हैदराबाद

विदेशी मरीजों के लिए भारत की नई तैयारी

‘सस्ते इलाज’ की जगह अब इन शानदार सुविधाओं पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली,18 अप्रैल(एजेंसियां)। भारत हमेशा से दुनियाभर के लोगों के लिए बेहतर इलाज का एक बड़ा केंद्र रहा है। हर साल लाखों विदेशी नागरिक अपनी बीमारियों का इलाज कराने हमारे देश आते हैं। इसे मेडिकल टूरिज्म कहा जाता है। जब विदेशी मरीज यहां आते हैं, तो देश में विदेशी मुद्रा आती है और रोजगार के कई नए अवसर पैदा होते हैं। हाल के समय में दुनिया भर में चल रही कूटनीतिक हलचलों के बीच, भारत में आने वाले मरीजों की संख्या में कुछ बदलाव देखने को मिले हैं।

इसे देखते हुए अब देश के अस्पताल और सरकार अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर रहे हैं। भारत अब सिर्फ ‘सस्ते इलाज’ के बजाय, अपनी हाई-टेक सुविधाओं के दम पर दुनिया भर के मरीजों को बेहतरीन सेवाएं देने की तैयारी में है।

लाखों मेडिकल टूरिस्ट आते हैं भारत
महामारी से पहले यानी साल 2019 में रिकॉर्ड 6,97,453 विदेशी नागरिक इलाज के लिए भारत आए थे। वहीं, इमिग्रेशन ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 के बीच 4,50,633 मेडिकल टूरिस्ट भारत पहुंचे हैं। आंकड़ों में यह बदलाव अचानक नहीं आया है। पश्चिमी एशिया समेत दुनिया के कई

हिस्सों में चल रहे तनाव और यात्रा में आ रही रुकावटों की वजह से विदेशी मरीजों की संख्या में यह अंतर देखने को मिला है। हालांकि, देश की हेल्थकेयर इंडस्ट्री इसे एक अस्थायी बदलाव के रूप में देख रही है और भविष्य के लिए बड़े स्तर पर नई योजनाएं बना रही है।

पड़ोसी देशों का असर

भारत के अस्पतालों में सबसे ज्यादा मरीज हमेशा से पड़ोसी देश बांग्लादेश से आते रहे हैं। साल 2024 में वहां हुए बड़े राजनीतिक बदलावों के कारण दोनों देशों के बीच आवाजाही प्रभावित हुई है। साल 2024 में जहां 17. 5 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी भारत आए थे, वहीं 2025 में नवंबर तक यह संख्या करीब 4.66 लाख रही है। एप्सोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया के महानिदेशक गिरधर ज्ञानी का कहना है कि वीजा मिलने में होने वाली देरी और कूटनीतिक बदलावों का सीधा असर मरीजों की संख्या पर पड़ा है। हालांकि, हालात सामान्य होने के साथ ही इसके फिर से पटरी पर लौटने की पूरी उम्मीद है। आज के समय में थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन मेडिकल सुविधाएं दे रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर	श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संबत्सरे-विक्रम संबत्- 2083 शक संबत् - 1948 , सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत महावीर- निर्वाण संबत् - 2551 , रागा गुण, मन्त्री भौम कलिंगा अरुषि - 432000 भोग्य कलि वर्ष- 426873 सूर्यवर्ष 08-03 कलिंगा संबत् - 5127 वर्ष, कल्पावर्ष संबत् - 1972949,127 सृष्टि प्यहारंष संबत् - 1955985,127
गृह स्थिति	दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले मास - वैशाख शुक्ल पक्ष रविवार 18 April 2026 तिथि - द्वितीया 10-49 तक उपरात्र तृतीया नक्षत्र - भरणी 07-10 तक उप कृत्तिका पौं - आयुष्मान 20-02 तक उप सीमाध्य करण - कोलव 10-49 तक उप तैलित
गृह स्थिति	विशेषः परशुराम जन्मोत्सव शुक्ल वृष १५-४७ से राहुकाल 16-58 से 18-32 तक
पं.महेशचन्द्र शर्मा	9247132654 9167555710
दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
उत्पात 06-03 - 07-33 अशुभ चंचल 07-33 - 09-07 शुभ	शुभ। 18-28 - 19-58 शुभ अमृत 19-58 - 21-24 शुभ
लाभ 09-07 - 10-41 शुभ अमृत 10-41 - 12-15 शुभ	चंचल 21-24 - 22-49 शुभ रोग 22-49 - 00-15 अशुभ
काल 12-15 - 13-50 अशुभ शुभ 13-50 - 15-24 शुभ	काल 00-15 - 01-41 अशुभ लाभ 01-41 - 03-07 शुभ
रोग 15-24 - 16-58 अशुभ उत्पात 16-58 - 18-28 अशुभ	उत्पात 03-07 - 04-32 अशुभ शुभ 04-32 - 06-03- शुभ

आपका राशिफल

शुभ मेघ चू,चे, चो,ला,ली,लू, ले,लो,अ,	आपका आत्मविश्वास कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन को बढ़ाता है, जबकि रचनात्मक ऊर्जा समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। आप शारीरिक या भावनात्मक रूप से थका हुआ महसूस कर सकते हैं, इसलिए अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए अपनी समयबद्धता और सहज ज्ञान पर भरोसा करें। अपनी शक्ति का बुद्धिमान से उपयोग करें।
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है, हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुपादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा, लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेंगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,	आपके करियर और पढ़ाई को मजबूत महत्वाकांक्षी और सहज सोच से बढ़ावा मिलता है। आपका भाष्यशाली अक्सर मिल सकते हैं, लेकिन चीजों को संतुलित रखें और अति करने से बचें। शांत और विचारशील शब्दों से रिश्तों में तनाव कम किया जा सकता है। धैर्य और ईमानदार संचार के माध्यम से स्थानी संबंध बनाने पर ध्यान दें।

आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किसी बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नवी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वान करना पड़ सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करें । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है । इन स्थितियों को वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढेंगे ।

लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते हैं । वहीं सच्चा चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं, तो एक सच्चे शुर्चिचंदक की सहायता ले सकते हैं।

शोध विचार्यों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विचार्यों आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अच्छी परीक्षा देगे परन्तु समय के अनुसार नियम और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको को अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है ।

जब आप सावधानीपूर्वक, विचारशील दृष्टिकोण अपनाते हैं तो आपका करियर और पढ़ाई बेहतर होती है। स्थिर प्रगति फोकस और योजना के साथ आती है। आपका प्राकृतिक आकर्षण आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि एक जर्मनी मानसिकता आपको दूर कर रखती है।

अवसर और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है, हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे। अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

आज आपको एक असाधारित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सद्गु उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाष्य उच्च चल रहा है । बस अगर अपने अविग्न पर लगाम लगाने को कोशिश करें और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आदर भी ले पाएंगे । आज आा कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।

अनेक काम या पढ़ाई में तथ्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और ज़मीन पर टिके रहें । भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, इसलिए व्यावहारिक लक्ष्यों पर भरोसा करें। स्पष्ट संचार आपको हलतलक्ष्मियों से बचने में मदद करेगा। ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहें और पूरी दिन उत्पादक बने रहने के लिए अपनी अनुशासित मार्गसिक्तता का उपयोग करें।

आपने काम या पढ़ाई में तथ्यों पर ध्यान केंद्रित रखे और ज़मीन पर टिके रहें । भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, इसलिए व्यावहारिक लक्ष्यों पर भरोसा करें। स्पष्ट संचार आपको हलतलक्ष्मियों से बचने में मदद करेगा। ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहें और पूरी दिन उत्पादक बने रहने के लिए अपनी अनुशासित मार्गसिक्तता का उपयोग करें।

कुंभ सू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, दा, धा, फा, दा, धे	मीन दी, दु, ध, झ, ज, दे, दो, चा, ची
---	---

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र



राहुल गांधी के खिलाफ सीबीआई जांच आदेश पर ‘भड़के’ अशोक गहलोत

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियाँ)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज करने और सीबीआई जांच की संभावना के आदेश ने राजस्थान की सियासत में नया भूचाल ला दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे न्यायपालिका और सरकार की मंशा पर बड़ा सवालिया निशान बताया। गहलोत ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर इस कार्यवाही को रेबेनुनियादर और रन्यायपालिका का समय खराब करने वाला बताया।

'अनावश्यक बोझ डाल रहा है यह फैसला'

अशोक गहलोत ने अपने बयान में तर्क दिया कि राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर इसी तरह की याचिकाएं जुलाई 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट और 2019 में



सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस द्वारा खारिज की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, रपुराने फैसलों के बावजूद अब अचानक सीबीआई जांच का आदेश देना समझ से परे है। यह न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका पर अनावश्यक बोझ डालने जैसा है।

गांधी परिवार की शाहादत- देशभक्ति का हवाला
गहलोत ने राहुल गांधी के खिलाफ हो रही कार्यवाही को उनके परिवार के बलिदान से

जोड़ते हुए कहा कि राहुल के पिता (राजीव गांधी) और दादी (इंदिरा गांधी) ने देश की अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का जिक्र करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने देश में भाईचारा और प्रेम फैलाने के लिए हजारों किलोमीटर की पदयात्रा की, उसके खिलाफ इस तरह की कार्यवाही करना लोकतंत्र के लिए दुःखद है।

क्या है पूरा मामला ?

वाल्मीकि समाज के दो चिराग बुझे, पूर्व मंत्री खाचरियावास ने कर दी 1-1 करोड़ की डिमांड

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियाँ)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सीवरेज की सफाई के दौरान एक बार फिर ईसानियत को शर्मसार करने वाला और कानून की धज्जियां उड़ाने वाला वाक्या सामने आया है। सीवरेज लाइन में उतरने से वाल्मीकि समाज के दो युवाओं की दम घुटने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि प्रदेश की सियासत में भी उबाल ला दिया है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस मामले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

यह हादसा उस वक्त हुआ जब सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर सफाई कर्मियों को सीवरेज के गहरे चैम्बर में उतारा गया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, पहले एक सफाई कर्मी



नीचे उतरा, लेकिन जहरीली गैस और मलबे के कारण जब वह काफी देर तक बाहर नहीं निकला, तो उसे बचाने के लिए दूसरा सहायी भी नीचे उतर गया। सीवरेज के भीतर ऑक्सीजन की कमी और जहरीली गैसों के गुबार ने दोनों को संभलने का मौका नहीं दिया और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सोशल मीडिया पर सरकार को आड़े

हाथों लिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कानूनन सीवरेज में सफाई के लिए किसी भी इंसान को उतारना प्रतिबंधित है, इसके बावजूद प्रशासन ने उन्हें मौत के मुंह में धकेला। खाचरियावास ने ट्वीट कर कहा कि मृतक परिवारों को तुरंत एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। पीड़ित परिवारों के बच्चों को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। कानून को उल्लंघन कर कर्मचारियों को सीवरेज में उतारने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

वाल्मीकि समाज ने सरकार की लापरवाही से अपने बच्चों को खोया है। यदि सरकार हमेशा की तरह इस बार भी समाज के साथ धोखा करती है, तो कांग्रेस चुप नहीं रहेगी। हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और न्याय के लिए सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे।

शॉर्ट सर्किट से धधकी पेंट शॉप

उदयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियाँ)। शहर में आरके सर्कल स्थित पेंट शॉप में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से फैल गई और तेज गर्मी और ज्वलनशील होने के कारण रंगों से भरे डिब्बे तेज आवाज में फटने लगे। आग लगने के साथ ही आसपास के लोगों ने उस पर काबू पाने का प्रयास किया। इधर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कड़ी मशकत के बाद करीब 5 घंटों में आग पर काबू पाया जा सका। आरके सर्कल स्थित दो मंजिला श्री भारत पेंट में आग लगी। अधिकतर सामान ज्वलनशील होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया।

आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड ने दुकान में तीन ओर से पानी का छिड़काव किया। 30 से 35 राउंड में पानी लाकर छिड़काव किया। 50 अग्निशमन कर्मिकों ने कड़ी मशकत कर आग पर काबू पाया।

आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़

5 हजार यूजर्स बनाकर चला रहे थे खेल, दो आरोपी गिरफ्तार
हनुमानगढ़, 18 अप्रैल (एजेंसियाँ)। हनुमानगढ़ जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। आईपीएल मैचों पर करोड़ों रुपए के दांव लगवाने वाले दो आरोपियों को पीलीबंगा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में बैठकर अलग-अलग स्थानों से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे, जिससे लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुनित कुमार (34) और पंकज कुमार (33) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से करीब 2 लाख 30 हजार रुपए नकद, 11 एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल, एक लैपटॉप और 19 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी बड़े स्तर पर क्रिकेट बुकी नेटवर्क चला रहे थे।

पुलिस को सूचना मिली थी कि रावतसर रोड स्थित एसटीजी नहर पुलिया के पास एक कार में बैठकर ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर कार से दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ सट्टेबाजी से संबंधित धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी क्रिकेट सट्टा आईडी के मास्टर ऑपरेटर थे और अलग-अलग राज्यों में करीब 5000 यूजर्स को सट्टा आईडी बेच चुके थे। आरोपियों के मोबाइल फोन में कई व्हाट्सएप ग्रुप मिले हैं, जिनमें लगभग 50 विदेशी मोबाइल नंबरों सहित बड़ी संख्या में यूजर्स जुड़े हुए थे।



मुख्यमंत्री ने केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री से मुलाकात की

बयाराम में ग्रीनफील्ड स्टील प्लांट की मांग, केंद्र से सहयोग की अपील



नई दिल्ली, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से खम्मम जिले के बयाराम में ग्रीनफील्ड स्टील प्लांट स्थापित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को नई दिल्ली में कुमारस्वामी और इस्पात राज्य मंत्री भूपति श्रीनिवास वर्मा से मुलाकात की। बैठक के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस

स्टील प्लांट की स्थापना से इस्पात की कमी दूर होगी और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान भी संभव होगा। उन्होंने तेलंगाना राजिगिंग- 2047 विजन के तहत प्रस्तावित औद्योगिक विकास की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने केंद्र से राज्य में पुराने वाहनों के स्क्रेप का उपयोग कर स्टील रीसाइक्लिंग उद्योग स्थापित करने में सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने हैदराबाद को आधुनिक तकनीक,

मौजूदा भारी उद्योगों और अनुकूल परिस्थितियों के आधार पर देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनाने की संभावनाओं पर भी जोर दिया। रेवंत रेड्डी ने बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए हैदराबाद में ईवी बैटरी निर्माण हब स्थापित करने, हाइड्रोजन तकनीक आधारित ग्रीन स्टील क्लस्टर विकसित करने तथा ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने की भी अपील की।

दिल्ली में बैठक से बढ़ी राजनीतिक हलचल

हैदराबाद/नई दिल्ली, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के विफल होने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा द्वारा आयोजित नारते की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं। बैठक में एनडीए और अन्य दलों के कई नेता मौजूद रहे। इनमें केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू, केंद्रीय राज्य मंत्री पेम्मासांनी चंद्रशेखर, भाजपा के राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण, लोकसभा सांसद सीएम रमेश और आंध्र प्रदेश के उपसभापति के. रघुराम कृष्ण राजू शामिल थे। तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं के साथ रेवंत रेड्डी की बातचीत ने विशेष रूप से ध्यान खींचा। पर्यवेक्षकों ने दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत को नोट किया, जिससे राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गईं। इस दौरान जब फोटोग्राफरी ने तस्वीरें लेने की कोशिश की, तो मुख्यमंत्री ने उन्हें रोका दिया। भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने बैठक को अनौपचारिक बताते हुए कहा कि इसका कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार हैदराबाद को स्वच्छ और हरित शहर बनाने पर काम कर रही है। केंद्र ने शहर के लिए इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक उन्हें जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि रेवंत रेड्डी ने केंद्र से इन बसों को जल्द जारी करने का अनुरोध किया। हालांकि, इस स्पष्टीकरण के बावजूद बैठक के समय को लेकर अटकलें बनी हुई हैं। यह बैठक परिसीमन विधेयक की विफलता और केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद हुई, जिससे इसकी राजनीतिक अहमियत को लेकर चर्चाएं और बढ़ गई हैं।

फुटपाथ अतिक्रमण पर जीएचएमसी का पीला पंजा



हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को शहर में फुटपाथों पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया। सुबह करीब 7 बजे पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई शुरू हुई, जिसमें कई इलाकों में अवैध कब्जों को हटाया गया। इस अभियान के तहत बड़ांगपेट, संतोषनगर, राजेंद्र नगर, अत्तापुर, कारवान, मेहदीपटनम, खैराबाद, कवाडिगुडा, शमशाबाद, चारमीनार, गोलकोंडा और सिकंदराबाद जैसे क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाए गए। जीएचएमसी ने फुटपाथ अतिक्रमण के लिए चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में अर्थ मूवर मशीनें लगाकर कार्रवाई की। कदीकल पुल से चित्रिनाका जंक्शन, आरामगढ़, मेहदीपटनम, गुडिमलकपुर, काचीगुडा जंक्शन, सुल्तान बाजार, गांधी अस्पताल और पदाराव नगर जैसे इलाकों में अवैध निर्माण हटाए गए। नगर निगम का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि लोगों को फुटपाथ पर चलने में कोई परेशानी न हो।

2027 में लॉन्च होगा जी-20 उपग्रह : इसरो प्रमुख

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण के अध्ययन और मौसम की निगरानी के लिए तैयार किया जा रहा जी-20 उपग्रह वर्ष 2027 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग में डीआरडीओ, इसरो और एयरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। नारायणन ने बताया कि भारत जी-20 देशों के लिए बनाए जा रहे इस उपग्रह में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पहला देश है जिसने एक ही रॉकेट से बिना टक्कर के 100 से अधिक उपग्रहों सहित कुल 104 उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि इसरो ने अब तक 34 देशों के 433 उपग्रहों से जुड़े कई वाणिज्यिक मिशन पूरे किए हैं और भारत से भिजा गया



सबसे भारी उपग्रह भी एक वाणिज्यिक उपग्रह रहा है। इसरो प्रमुख ने कहा कि संगठन 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की दिशा में काम कर रहा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो भारत लॉन्चर तकनीक, उपग्रह तकनीक और मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में अन्य अग्रणी देशों के बराबर होगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इसरो डीप ओशन मिशन के तहत ‘समुद्रयान’ परियोजना पर भी काम कर रहा है, जिसके लिए विशेष टाईटेनियम पोत तैयार किया जा रहा है।

जीवन रेड्डी के शामिल होने से उत्तर तेलंगाना में बीआरएस को मजबूती : हरीश राव

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्री हरीश राव ने कहा कि वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी के बीआरएस में शामिल होने से उत्तर तेलंगाना में पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। हरीश राव ने बीआरएस के कार्यक्रम अध्यक्ष केटी रामराव के साथ शनिवार को जगित्याल में 20 तारीख को होने वाले जीवन रेड्डी के शामिल होने के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। यह कार्यक्रम केसीआर की उपस्थिति में आयोजित होगा।

उन्होंने जीवन रेड्डी को मजबूत राजनीतिक मूल्यों वाला नेता बताते हुए कहा कि उनके अने से न केवल करीमनगर बल्कि पूरे उत्तर तेलंगाना में पार्टी को बल मिलेगा। हरीश राव ने कहा कि राज्य में राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है और लोग अब खुलकर कह रहे हैं, रेवंत रेड्डी हठे, केसीआर लौटो। बीआरएस विधायक ने तेजस्वी सूर्या द्वारा तेलंगाना के गठन की तुलना

भारत-पाकिस्तान विभाजन से किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इसे राज्य के चार करोड़ लोगों के आत्मसम्मान का अपमान बताया। उन्होंने कहा, तेलंगाना का गठन संविधान के अनुच्छेद-3 के तहत लंबे लोकतांत्रिक संघर्ष के बाद हुआ। इसकी तुलना करना जनता के बलिदानों का अपमान है। हरीश राव ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की भी आलोचना की कि उन्होंने इन टिप्पणियों की निंदा करने के बजाय उनका बचाव किया और भाजपा से बिना शर्त माफी की मांग की। उन्होंने तेलंगाना के 8 कांग्रेस और 8 भाजपा सांसदों की चुप्पी को निराशाजनक बताते हुए सवाल उठाया कि उन्होंने संसद में राज्य की गरिमा की रक्षा क्यों नहीं की। हरीश राव ने कहा कि राज्यसभा में बीआरएस सांसदों ने केंद्रीय मंत्रियों के भ्रामक बयानों का कड़ा विरोध किया और आधिकारिक रिकॉर्ड में सुधार सुनिश्चित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस

अलिपिरी पैदल मार्ग पर लापता बालक सुरक्षित परिजनों से मिला

तिरुमला, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तमिलनाडु के चेंगलपट्टु निवासी 12 वर्षीय बालक आदर्श अलिपिरी पैदल मार्ग के 2500वें कदम के पास लापता हो गया था। नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तिरुमला के पीएसी-2 क्षेत्र में बालक का पता लगा लिया। इसके बाद आदर्श को सुरक्षित रूप से लेपाक्षी सर्कल स्थित सतर्कता कार्यालय लाया गया और एवीएसओ वेंकट शिव कुमार तथा कृष्णैया की उपस्थिति में उसके परिजनों को सौंप दिया गया। बालक के परिजनों ने त्वरित कार्रवाई के लिए टीटीडी सतर्कता कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। टीटीडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी लापता बालक को शीघ्र खोजकर सुरक्षित परिजनों से मिलाने के लिए सतर्कता कर्मचारियों की सराहना की।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने छात्रों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

सड़क सुरक्षा अभियान का शुभारंभ, ‘अराइव अलाइव’ कार्यक्रम आयोजित



हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालना प्रगति के तहत 99 दिवसीय कार्ययोजना के अंतर्गत मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और वाकिटी श्रीहरि ने शनिवार को महबूबनगर जिले में सड़क सुरक्षा पर केंद्रित ‘अराइव अलाइव’ कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्रियों ने पंचवटी विद्यालय में बच्चों के लिए यातायात जागरूकता उद्यान का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को यातायात संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, विद्यालय और अस्पताल क्षेत्र तथा यू-टर्न जैसे नियमों के प्रति जागरूक करना है।

हेलेस्ट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महबूबनगर डिग्री कॉलेज से पंचवटी विद्यालय तक मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में वाहन चालकों ने भाग लिया। सड़क सुरक्षा के तहत स्वास्थ्य शिविर, नेत्र जांच शिविर तथा हृदय-फेफड़ा पुनर्जीवन प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और मंत्रियों ने मानव श्रृंखला बनाकर यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की शपथ ली।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने सड़क दुर्घटनाओं के कारण परिवारों पर पड़ने वाले प्रभाव, विशेषकर परिवार के कमाने वाले सदस्य की मृत्यु से होने वाली कठिनाइयों को दर्शाया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने छात्रों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए दुर्घटनाओं की रोकथाम में उनकी जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में एमएलसी दामोदर रेड्डी, विधायक



चिक्कुडु वामशी कृष्णा, महापौर ममता, उप महापौर सुरेंद्र रेड्डी, परिवहन आयुक्त इलंबरथी, राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी, मुडा अध्यक्ष लक्ष्मण यादव, अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष ओबेटुल्ला कोटवाल, जिला कलेक्टर खुशबू गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर चंद्रशेखर गोड़ सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि परिवहन और पुलिस विभाग पिछले एक सप्ताह से संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं।

उन्होंने हाल की दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि 17 लोगों की मृत्यु से स्थिति की गंभीरता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि जब किसी परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य दुर्घटना में जान गंवाता है, तो पूरे परिवार पर गहरा असर पड़ता है, इसलिए ऐसी पहलों

कुरख्यात अपराधी पर पीडी एक्ट लागू

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने शनिवार को जगतगिरिगुडा क्षेत्र के एक कुख्यात अपराधी के खिलाफ खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (पीडी एक्ट) लागू किया। पुलिस के अनुसार, थानुगंडला बाला शोरेड्डी उर्फ बादशाह नामक आरोपी के खिलाफ जगतगिरिगुडा थाने में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह हत्या और हत्या के प्रयास जैसे अपराधों में शामिल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच आरोपी ने दो हत्याएं कीं, जिनमें एक घटना दिनदहाड़े अंजाम दी गई थी। जमानत पर रिहा होने के बाद भी उसने आपराधिक गतिविधियां जारी रखीं। पुलिस ने बताया कि उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए समाज की सुरक्षा के लिए उसके खिलाफ पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

ध्यान भटकाकर चोरी करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी, कई मामलों का खुलासा

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुडा थाना क्षेत्र में ध्यान भटकाकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर कई वारदातों का खुलासा किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रियासत नगर, कंचनबाग निवासी 36 वर्षीय अब्दुल नासेर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 6 अप्रैल 2026 की रात लगभग 10:15 बजे वह चंद्रायनगुडा चौराहे स्थित एटीएम में 10 हजार रुपये जमा कर रहा था। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन भुगतान करने का बहाना बनाकर नकद राशि ले ली और नकली भुगतान का चित्र दिखाकर फरार हो गया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। 17 अप्रैल 2026 को प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसी एटीएम के पास से आरोपी अब्दुल्लाह ओबैद अल कथेरी उर्फ अब्दुल्लाह (25 वर्ष), निवासी अमन नगर, तलांबकट्टा, भवानी नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी

श्री वेंकटेश्वर श्रवणम संस्थान का निरीक्षण



तिरुमला, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अंतर्गत संचालित श्री वेंकटेश्वर श्रवणम संस्थान का टीटीडी संयुक्त कार्यकारी अधिकारी (चिकित्सा एवं शिक्षा) डॉ.ए. शरत ने शनिवार को अधिकारियों के साथ विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने श्रवणम के माध्यम से बच्चों के जीवन में आ रहे बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से समझा और सेवाओं के और अधिक सुधार के लिए कई सुझाव दिए। इस अवसर पर उन्होंने टीटीडी के अंतर्गत चल रहे श्री वेंकटेश्वर श्रवणम और श्री वेंकटेश्वर बालमंदिर संस्थानों की सेवाओं को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने टीटीडी सूचना केंद्रों, कल्याण मंडपों, एसवीबीसी चैनल, टीटीडी सामाजिक माध्यमों तथा जिला बाल कल्याण और दिव्यांग विभागों के साथ समन्वय कर प्रचार को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने वर्ष 2026-2027 के शैक्षणिक सत्र में प्रवेश

प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देने और अवकाश समाप्त होने से पहले लंबित विकास कार्यों को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। डॉ. शरत ने बच्चों की माताओं से बातचीत कर यह जाना कि निर्धारित समय के अनुसार भोजन मिल रहा है या नहीं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता कैसी है, बच्चों में कितना सुधार आया है और उपलब्ध सुविधाओं के

प्रति संतुष्टि का स्तर क्या है। विभिन्न क्षेत्रों से आई माताओं ने प्रशिक्षण पर पूर्ण संतोष व्यक्त करते हुए भावुक होकर कहा, हम मूक अवस्था में आए थे, अब मुस्कान के साथ लौट रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में आधुनिक सुविधाएं और डिजिटल शिक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, डे-स्कॉलर विद्यार्थियों के लिए मध्याह्न भोजन की सुविधा, प्रशिक्षण के बाद आधुनिक श्रवण यंत्रों का वितरण, बेहतर पाठ्य सामग्री, शिक्षण पद्धति और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम में वन अधिकारी डी. फणि कुमार नायडू, जिला शिक्षा अधिकारी टी. वेंकट सुनील, अतिरिक्त स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील, श्रवणम परियोजना अधिकारी श्रीमती अम्मुलु, अभियंता मल्लिकार्जुन प्रसाद सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मक्का खरीद में देरी से किसानों का प्रदर्शन, यातायात प्रभावित

नागरकर्नूल/विकाराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मक्का की खरीद में देरी को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। नागरकर्नूल जिले के नेल्लिकोंडा चौराहे किसानों के धरने के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। किसानों ने नारेबाजी करते हुए अपनी फसल की जल्द खरीद की मांग की। इस दौरान श्रीशैलम, अचमपेट, महबूबनगर और हैदराबाद की ओर जाने वाले वाहन जाम में फंस गए। किसानों का आरोप है

कि अधिकारी फसल खरीद के बाद फिंगरप्रिंट स्कैन नहीं कर रहे हैं और उन्हें बाजार यार्ड में रोके रख रहे हैं। साथ ही ट्रकों की कमी का हवाला देकर अनाज को गोदाम तक पहुंचाने में देरी की जा रही है, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

प्रदर्शन के चलते पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और किसानों को समझाकर प्रदर्शन समाप्त कराया गया। अधिकारियों ने खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया है। इसी तरह विकाराबाद

जिले के धारूर मंडल में भी मक्का किसानों ने खरीद न होने पर विरोध जताया। किसानों के समर्थन में पूर्व मंत्री पी. सबोताइंद्र रेड्डी और पूर्व विधायक मेथुकु आनंद ने प्रभावित गांवों का दौरा कर उनकी समस्याएं सुनीं। नेताओं ने आरोप लगाया कि किसानों द्वारा अनाज लाने के बावजूद खरीद केंद्र नहीं खोले गए हैं। उन्होंने बेमौसम बारिश से फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे किसानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रशासन से तुरंत कदम उठाने की मांग की।

Celebrate the timeless tradition of

Akshaya Tritiya

with a sparkle that lasts forever.

Showcasing our curated collection which blends heritage craftsmanship with modern elegance - perfect for marking new beginnings and everlasting prosperity.

.....

vijay vithaldas
Jewellers

Somajiguda, Hyderabad | Insta - vijayvithaldasjewellers

+91 78 9396 9900 +91 91 3333 8151 +91406610 1654 +91 40 6610 4642